सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

RNI NO-UPHIN/2023/84340

नगर संस्करण | hpshukla50@gmail.com | मंगलवार, 03 दिसंबर 2024 | वर्ष: 02, अंक: 288 पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

2000 रुपये के 98.08 फीसदी नोट बैंकों के पास आए वापस: आरबीआई

मुंबई/नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि 2,000 रुपये मूल्य वर्ग के 98.08 फीसदी नोट बैंकों में वापस आ चुके हैं। लेकिन, अब चलन से हटाये गए केवल 6,839 करोड़ रुपये मूल्य के नोट ही जनता के पास मौजूद है। दो हजार रुपये मूल्य के नोट अभी लीगल टेंडर है, जिसको आरबीआई के पास जमा किया जा सकता है। रिजर्व बैंक ने जारी एक बयान में कहा कि 19 मई, 2023 को चलन में मौजूद 2,000 रुपये के नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह राशि 29 नवंबर, 2024 को घटकर अब 6,839 करोड़ रुपये रह गई है। इस तरह 19 मई, 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपये मूल्य के 98.08 फीसदी नोट बैंकों में अब वापस आ चुके हैं।

आरबीआई के अनुसार दो हजार रुपये के बैंक नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। हालांकि, इन नोट को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में अब भी उपलब्ध है। आरबीआई के निर्गम कार्यालय 9 अक्टूबर, 2023 से लोगों और इकाइयों से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2,000 रुपये के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। रिजर्व बैंक के अनुसार लोग देश के भीतर भारतीय डाक से 2,000 रुपये के नोट आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में भेज सकते हैं। यह पैसा उनके बैंक खाते में जमा हो जाता है।

दुग्ध संघों में हर स्तर पर तय की जाए जवाबदेही: सीएम योगी

दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ावा दिया जाए: मुख्यमंत्री

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में आज उनके सरकारी आवास पर प्रादेशिक कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन का प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि दुग्ध सहकारी समिति से जुड़े कर्मियों का उचित प्रशिक्षण कराया जाये और उन्हें आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराये जाएं। प्रदेश में दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित की जाए। इसके लिए प्रत्येक गांव व किसानों से दुग्ध सहकारी समितियां संवाद स्थापित कर अपने कार्यों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएं। किसानों को दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए बेहतर नस्ल के दुधारू पशुओं के पालन के लिए जागरुक किया जाए। साथ ही किसानों को दुधारु पशुओं के पालन-पोषण के लिए वैज्ञानिक तरीके से प्रशिक्षित किया जाए। इससे डेयरी संघों में दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि होगी और किसानों की आय भी बढ़ेगी। इन सभी कार्यों में आधी आबादी की महत्वपूर्ण भूमिका है। डेयरी क्षेत्र महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है। बुंदेलखंड क्षेत्र में बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ावा दिया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुग्ध संघों में हर स्तर पर जवाबदेही तय करते हुए कार्य के टॉरगेट तय किये जाएं। दूध के संग्रह की क्षमता बढ़ाते हुए दूध की गुणवत्ता परीक्षण के कार्यों को बेहतर किया जाए। डेयरी क्षेत्र को किसानों के लिए अधिक फायदेमंद बनाने के लिए डेयरी फेडरेशन बेहतर मॉडल विकसित करे। डेयरी क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। गोबर से कंप्रेस्ड बायो गैस के प्लांट स्थापित किये जाएं। इनकी स्थापना के लिए भूमि प्रदेश सरकार उपलब्ध कराएगी।

बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि इस वर्ष प्रदेश में संचालित डेयरी प्लांट्स अपनी स्थापित क्षमता के सापेक्ष लगातार अच्छा करने का प्रयास कर रहे हैं। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष दुग्ध उपार्जन, दुग्ध बिक्री में बढ़ोतरी रही है। दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम ने उत्पादकों से सीधे दुग्ध संग्रह का कार्य किया जा रहा है। दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को तकनीकी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। शहरी उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर अच्छी गुणवत्ता का दूध उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य किये जा रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों के समन्वय से कराएं रोड रिस्टोरेशन और जलापूर्ति का काम: मुख्यमंत्री

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल पहुंचाने की परियोजना के कार्यों के थर्ड पार्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि हर परियोजना के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किये जायें जो स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर सभी काम समय से पूरा कराएं। सोमवार को हर घर जल योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन जनहित से जुड़े इन कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। जलापूर्ति के कार्यों के चलते खराब हुई सड़कों के रिस्टोरेशन का काम समय से कराया जाए और जनप्रतिनिधियों से भी आवश्यक मार्गदर्शन लिया जाए। इस आधार पर ही विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं में क्वालिटी हर हाल में सुनिश्चित हो।

इसका थर्ड पार्टी सत्यापन भी कराया जाए। साथ ही हर प्रोजेक्ट पर नोडल अधिकारी नियुक्त हों, जो कार्यों की क्वालिटी व समयबद्धता सुनिश्चित करे। जल जीवन मिशन के तहत परियोजना का उद्देश्य है कि लोगों को शुद्ध पेयजल प्राप्त हो, ऐसी सभी योजनाएं बिना रूकावट के अनवरत चलती रहनी चाहिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड व विंध्य क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों के बारे में जानकारी ली।

दिल्ली में ड्रग तस्करी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने को नशे के खिलाफ एक व्यापक अभियान की शुरूआत की। ये अभियान नए साल के जश्न की तैयारियों के बीच चलाया जा रहा,और यह अभियान एक महीने तक चलेगा। दिल्ली पुलिस का कहना है कि वह ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर सख्ती से काम कर रही है। दिल्ली में दिल्ली पुलिस ड्रग्सतस्करी को जड़ से खत्म करने के लिए

भोपाल गैस त्रासदी की बरसी: 40 साल बाद भी न तो पीड़ितों को मिला न्याय

भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में वर्ष 1984 में दो-तीन दिसंबर की रात को हुई विश्व की भीषणतम औद्योगिक त्रासदी को लोग अब तक भूल नहीं पाए हैं। अब भी यहां के लोग इसका दंश झेलने को मजबूर हैं। यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव हुआ और हजारों लोग मौत के मुंह में चले गए थे। मंगलवार, 3 दिसंबर को इस भीषणतम त्रासदी की 40वीं बरसी

है, लेकिन अब तक न तो पीड़ितों को न्याय मिल पाया है और न ही यूनियन कार्बाइड परिसर में पड़े कचरे को नष्ट नहीं किया जा सका है। निकट भविष्य में भी इसके निपटान की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है।

विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 5,58,125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था। बहुत सारे लोग कई तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब आठ हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब आठ हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे। यूनियन कार्बाइड की फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का रिसाव हुआ था। इसकी वजह थी टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का पानी से मिल जाना था।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

पुलिस ने चेकिंग के दौरान वाहनों का किया चालान

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी यातायात के कुशल पर्यवेक्षण में सड़क दुर्घटना को कम किए जाने के लिए यातायात प्रभारी लाल जी सविता एवं यातायात पुलिस द्वारा दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट, सवारी ई रिक्शा पर माल को ढोने वाले ई-रिक्शा पर कार्रवाई की गई तथा बिना नम्बर प्लेट लगे वाहन, दो पहिया वाहन में तीन सवारी, चार पहिया वाहन पर बिना सीट बेल्ट का प्रयोग न कर वाहन चलाने वाले वाहनों की चेकिंग की गई और नाबालिक द्वारा वाहन चलाने, टेंपो टैक्सी के द्वारा स्कूली छात्र छात्रों का परिवहन करने वाले अवैध वाहनों की सघनता से चेकिंग कर कार्रवाई की गई तथा आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर प्रचार प्रसार सामग्री वितरित की गई ।

दो मामलों में दो वारण्टी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कुशीनगर। जनपद कुशीनगर में वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना हनुमानगंज पुलिस द्वारा वारण्टी नरेश कुशवाहा पुत्र दहारी निवासी बोधीछापर थाना हनुमानगंज व वारण्टी सुरेन्द्र पुत्र इन्दल निवासी नौतार जंगल थाना हनुमानगंज जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सराय अकिल पुलिस ने वांछित को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सराय अकिल पुलिस उ०नि० सुनील कुमार शुक्ला मय हमराह पुलिस बल द्वारा वांछित अभियुक्त सुरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ बडकू पुत्र शिवप्रताप सिंह उर्फ लवकुश सिह निवासी खरसेन का पुरवा मजरा बसुहार थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को फकीराबाद चौराहे से गिरफ्तार किया गया।

वाहन चेकिंग के दौरान 190 वाहनों का चालान

कौशांबी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान दो पहिया/चार पहिया वाहनों को चेक किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 190 वाहनों का ई-चालान किया गया।

मामूली विवाद में 4 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। जनपद में अपराध के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साधारण मारपीट व शाति भंग करने के आरोप में (थाना चरवा से 01, थाना सैनी से 01, थाना कड़ाधाम से 01, थाना कोखराज से 01) कुल 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान मा० न्यायालय किया गया।

डीएम ने ऑगनबाड़ी भवन के निर्माण कार्य में धीमी प्रगति पाये जाने पर जताई नाराजगी

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। डीएम मधुसूदन हुल्गी द्वारा सम्राट उदयन सभागार में राष्ट्रीय पोषण मिशन एवं ऑगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक तहसीलों के एक-एक विकास खण्ड में कैम्प का आयोजन कर अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं की गोद भराई, बच्चों का अन्नप्राशन एवं सैम/मैम बच्चां का वजन कराया जाय। उन्होंने कहा कि कैम्प में महिला ग्राम प्रधानों को आमन्त्रित किया जाय, जिससे सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को महिलाओं तक पहुँचाकर लाभान्वित/सम्मानित किया जा सकें। उन्होंने अच्छा कार्य करने वाली ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मानित भी किया जाय। उन्होंने कहा कि जो भी ऑगनबाड़ी केन्द्र समय से खुलता हुआ न पाया जाय, उस केन्द्र के ऑगनबाड़ी कार्यकत्री के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दियें। मूरतगंज ब्लॉक के ग्राम-फादिलाबाद में ऑगनबाड़ी भवन के हो रहें निर्माण कार्य की प्रगति धीमी पाये जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए ऑगनबाड़ी भवन के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कराने एवं जब तक हैण्डओवर नहीं हो जाता है तब तक जे0ई0 का वेतन रोकने के निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्होंने ऑगनबाड़ी भवनों में चल रहें कायाकल्प के कार्य का निरीक्षण एडीओ पंचायतों द्वारा कराये जाने के निर्देश दियें। जिलाधिकारी ने सीडीपीओ, ऑबनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सुपरवाइजरों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन ऑबनबाड़ी केन्द्रों में कायाकल्प का कार्य कराया जाना है, उसकी सूची एक सप्ताह के अन्दर अवश्य उपलब्ध करायें। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सैम बच्चों को चिहिन्त कर मैम/सासान्य श्रेणी में परिवर्तित करने के लिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। उन्होंने सभी सुपरवाइजरों एवं सीडीपीओ को घर-घर जाकर सैम बच्चों को चिहिन्त कर उन्हें एनआरसी में भर्ती कराने के निर्देश दियें। उन्होंने जनपद में मातृ शिशु मृत्यु दर कम से कम करने के लिए आरबीएसके की टीम एवं ऑगनबाड़ी सुपरवाइजरों की एक टीम बनाकर कार्य करने के निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्होंने आरबीएसके की टीम को गॉव-गॉव भ्रमण कर ऑगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण एवं पोषण ट्रैकर को चेक करने के निर्देश दियें। डीएम ने आरबीएसके की टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी के पास ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं आशाओं का नम्बर अवश्व हों, जहॉ कहीं पर भी टीम भ्रमण में जायें उनसे बात कर जरूर मिलें। उन्होंने सुपरवाइजरों को निर्देशित करते हुए कहा कि होम विजिट 90 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिए, लापरवाही बरतते हुए पाये जाने पर सख्त कार्यवाही की जायेंगी। उन्होंने सीडीपीओ, आशा तथा एएनएम को आयरन की गोलियां एवं पोषाहार नियमित रूप से महिलाओं तथा किशोरियों, बच्चों एवं पात्र लोगों में वितरित कराये जाने के लिए कहा। उन्होंने आरबीएसके की टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि गॉव भ्रमण के दौरान यदि कुपोषित/अति कुपोषित गर्भवती महिलायें एवं बच्चे मिलतें हैं, तो उनके नाम की सूची की एक प्रति ऑगनबाड़ी कार्यकत्री एवं आशाओं को अवश्य उपलब्ध करायें। उन्होंने पोषण ट्रैकर के अन्तर्गत लाभार्थियों का मोबाइल/आधार बेरीफिकेशन के कार्य को एक सप्ताह के अन्दर पूर्ण कराने के निर्देश दियें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 हिन्द प्रकाशमणि एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी रेनू वर्मा सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा सौंपा गया ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

कुंडा। सोमवार को जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया के आह्वान पर जिला अध्यक्ष गंगा पार प्रयागराज नरेंद्र पाण्डेय की अगुवाई में बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर उप जिलाधिकारी साहब के माध्यम से उत्तर प्रदेश शासन को ज्ञापन सोपा गया है इस मौके पर प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉक्टर सुधीर राय , विधि प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रशांत पांडे, जिला प्रधान महासचिव चंद्रभूषण शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष त्रिभुवन पासी, युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रेम पासी, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष छोटेलाल शुक्ला, जिला मीडिया प्रभारी विपिन गौतम, जिला महासचिव राम सिंह, जिला सचिव पप्पू सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष श्रृंगवेरपुर सुधांशु मिश्रा, जय सिंह, प्रतापपुर प्रधान शिव कुमार, राकेश गौतम, अमरजीत यादव, रामापति, सुंदरम त्रिपाठी, ऋषभ, सत्य प्रकाश विश्वकर्मा, रमेश यादव, करन सिंह, आदित्य यादव, युवराज आदि सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित तीन आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर गैंगस्टर के मामले में वांछित चल रहे तीन आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। थाना रामसनेहीघाट पुलिस टीम द्वारा गैंगेस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्तगण शान मोहम्मद पुत्र मेराज अहमद, मेराज अहमद पुत्र मेंहदी हसन निवासीगण आबकारी मोहल्ला नगर पंचायत व थाना रामसनेहीघाट जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया।

थाना मसौली पुलिस टीम द्वारा गैंगेस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्तगण मो0 अफसार पुत्र स्व0 मो0 मुन्ने निवासी बड़ेल गाँव मदीना मस्जिद थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया।

युवक की बूढ़ी माँ को कई बार किया प्रताड़ित

दी मूंह काला करने की धमकी प्रेमी दंपत्ति के गांव में घुसने पर किया जान से मारने का ऐलान

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! स्योहारा थाना क्षेत्र के युवक युवती के फरार होने पर लड़की पक्ष के लोगों द्वारा एक बार नहीं बल्कि कई बार युवक की बूढ़ी माँ सहित परिजनों को प्रताड़ित करने का आरोप है। इतना ही नहीं ग्रामीणों ने युवक युवती को गांव में घुसने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। ग्राम हसनपर पालकी में एक सप्ताह पूर्व दलित युवक द्वारा घर के सामने ही रहने वाली सजातीय युवती को ले जाने पर न्यायालय ने भले ही उनको स्वतंत्र रहने की इजाजत दे दी है मगर गांव की पंचायत ने उन्हें गांव में घुसने पर जान से मारने की धमकी तक दे रखी है। बूढ़ी माँ के अनुसार गांव में एक बार नहीं बल्कि कई बार पंचायत कर परिजनों को प्रताड़ित किया गया है। रविवार को थाने पहुंची वृद्ध महिला ने बताया कि ग्रामीणों ने युवक युवती बरामद न होने की दशा में उसे मूंह काला कर गांव में घुमाने की धमकी भी दी थी। शुक्रवार को गांव में हुई पंचायत में सर्व समाज के लोगों ने तुगलकी फरमान सुनाते हुये युवक के परिजनों को गांव में किसी के खेत में भी न घुसने व किसी भी कार्यक्रम में न्योता न देने के फैसले पर मुहर लगाई थी। जांच में जुटी पुलिस, पंचो को सताने लगा कार्यवाही का डर स्योहारा। रविवार को सबसे तेज प्रयागराज में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं पंचो को अपने ऊपर होने वाली कार्यवाई का अब डर सताने लगा है। ग्राम हसनपुर पालकी में युवती पक्ष के परिजनों सहित ग्रामीणों द्वारा युवक के परिवार का वहिष्कार करने का फरमान सुनाने वाले पंचो में हड़कंप मच रहा है। वहीं पुलिस भी मामले की जांच के लिये वृद्ध महिला की तहरीर आने का इंतजार कर रही है। वृद्ध महिला ने थाने पहुंच कर अपनी व अपने परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस ने वृद्ध महिला को सुरक्षा का आश्वासन देते हुये तुगलकी फरमान सुनाने वालों पर कार्यवाई का मन बना लिया है। धर्म सिंह मार्छल, एसपी पूर्वी धामपुर ने बताया की पुलिस टीम ने गांव जाकर वृद्ध महिला को धमकाने वालों को हड़काया। यदि महिला गांव में धमकाने वालों के विरुद्ध तहरीर देती है तो निश्चित रूप में कार्यवाई की जायेगी। पुलिस ने कुछ ग्रामीणों के विरुद्ध निरोधत्मक कार्यवाई भी की है।

चोरी के दो आरोपी दबोचे गए, नगदी जेवरात ऑटो रिक्शा बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। एसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर कुर्सी पुलिस चोरी लूट के आरोपियों की तलाश में दो चोरों को गिरफ्तार कर नगदी जेवरात ऑटो रिक्शा बरामद कर जेल भेज दिया।

थाना कुर्सी पुलिस टीम द्वारा चोरी के 2 अभियुक्त रामचन्द्र पाल पुत्र मनोहर पाल निवासी उपरेहत्तापुर थाना मछरेहटा जनपद सीतापुर . मो0 अतीक पुत्र मो0 इदरीश निवासी खदरा चुंगी पुरानी बांस मण्डी सीतापुर रोड थाना मदेयगंज जनपद लखनऊ को हबीबपुर गांव के मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से 01 अदद गैस सिलेण्डर, 01 अदद बाल्टी, 01 अदद टिफिन, 01 बैडमिंटन किट बैग 1 जोड़ी पायल, 01 अदद अंगूठी व 6200/-रुपए तथा घटना में प्रयुक्त एक अदद ऑटो रिक्शा बरामद किया गया। अभियुक्तगण द्वारा रेकी कर चोरी करने जैसे अपराध करते हैं। अभियुक्तगण द्वारा करीब 3.5 माह पूर्व उच्च प्राथमिक विद्यालय पड़री में चोरी की घटना कारित की गयी थी व 02 माह पूर्व ग्राम अमरसण्डा में चोरी की घटना कारित की गयी थी

अचानक पेड़ से बाइक टकराने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! स्योहारा मुरादाबाद स्थित लक्ष्य कालेज के पास एक बाइक सवार अचानक पेड़ से टकराने से गंभीर रुप से घायल हो सोमवार को दोपहर के समय टोनी पुत्र मानसिंह उम्र 35 वर्ष निवासी बगबाडा से स्योहारा किसी काम से आया था जब वह स्योहारा अपने गांव बगबाडा वापस जा रहा था अचानक लक्ष्य कालेज के पास एक पेड़ से टकराने से गंभीर रुप से घायल हो गया राहगीरों व डायल 112 की मदद से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां डाक्टरों द्वारा नाजुक हालत देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

युवक की गुजरात में मौत परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, परिवार में मचा कोहराम

युवक का शव थाना कामरेज क्षेत्र में ताप्ती नदी के किनारे सड़ी गली अवस्था में पड़ा मिला

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! नहटौर थाना क्षेत्र के गांव के रहने वाले एक युवक की मौत गुजरात के सूरत में हो गई है। युवक का शव ताप्ती नदी किनारे सड़ी गली अवस्था में पड़ा मिला। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया, परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई नहटौर थाना क्षेत्र के गांव सदरूद्दीन नगर निवासी मोहम्मद शाकिब पुत्र जाकिर उम्र लगभग 22 वर्ष गुजरात के जिला सूरत के गांव करंज जीआईडीसी होटल के पास सैलून की दुकान चलाता था। बताया जा रहा है कि वह बीते मंगलवार की शाम को लगभग 8 बजे दुकान बंद कर कही घूमने चला गया था। जहां से वह वापस नहीं लौटा।

परिजनों को पता लगने पर परिजन सूरत पहुंच गए और साकिब की काफी तलाश की थी। परिजनों ने स्थानीय थाने पहुंचकर गुमशुदगी भी दर्ज कराई। युवक का शव थाना कामरेज क्षेत्र में ताप्ती नदी के किनारे सड़ी गली अवस्था में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त की।साकिब की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए स्थानीय थाने में पुलिस को तहरीर दी। साकिब की मौत की खबर जैसे ही उसके घर पहुंची तो इलाके के काफी लोगों की भीड़ उसके घर पर जमा हो गई। बताया यह भी जा रहा है की दो वर्ष पहले युवक की माता का निधन हो गया है, जबकि युवक लगभग 3 वर्ष से सूरत में रह कर हेयर ड्रेसर का काम करता था।

महिला पुलिसकर्मियों ने 112 व 1090 के बारे में किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी व महिला बीट उपनिरीक्षक/आरक्षियों द्वारा चौराहों/बस स्टैण्ड/टैक्सी स्टैण्ड/जिला अस्पताल/गांव व कस्बा में भ्रमण कर/चौपाल लगाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस क्रम में महिला थाना पुलिस टीम द्वारा चौराहा मंझनपुर/जिला अस्पताल/ओसा में, थाना मोहब्बतपुर ,थाना पिपरी, थाना कड़ाधाम ,थाना करारी, थाना कोखराज , थाना महेवाघाट,थाना कडाधाम पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए/चौपाल लगाकर / कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चियों/महिलाओं* को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों अथवा थानों में बने महिला हेल्प डेस्क पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया । महिलाओं एवं बच्चियों को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे- (1) 1076 मा० मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, (2) 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, (3) 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, (4) 102 स्वास्थ सेवा, (5)108 एंबुलेंस सेवा, (6) 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, (7) 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा (8) 112 पुलिस आपात कालीन सेवा* आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन का मोबाइल पर उपयोग करने हेतु डेमो दिखाया गया एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं (1)सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना (2)मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (3)अभ्युदय योजना (4)मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (5)निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना (6)राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना (7) आयुष्मान योजना आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

लापता व्यक्ति का शव जलाशय में पड़ा मिला, 21 दिन से गायब था, जांच में जुटी पुलिस

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! रेहड़ थाना क्षेत्र के गांव से लापता 60 वर्षीय अशोक कुमार तोमर का शव 21 दिन बाद पीलीबांध जलाशय में सड़ी-गली अवस्था में बरामद हुआ। शव मिलने की खबर से परिवार में मातम छा गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकालकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। दुर्घटना के बाद बिगड़ गया था मानसिक संतुलन अशोक कुमार तोमर, पुत्र स्वर्गीय होरी सिंह, एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए थे। इलाज के बाद उनकी शारीरिक स्थिति तो ठीक हो गई, लेकिन सिर में चोट लगने से उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया था।10 नवंबर को घर से हुए थे लापता 10 नवंबर को अशोक कुमार अचानक घर से गायब हो गए। परिजनों ने उनकी काफी तलाश की लेकिन सफलता नहीं मिली। 13 नवंबर को उनके बेटे सचिन कुमार ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। गुरुवार को सचिन अपने पिता की तलाश करते हुए जलाशय के पास कमल ककड़ी के गड्ढों में पहुंचा। यहां उसने पानी के अंदर अपने पिता का शव देखा। सचिन ने तुरंत पुलिस और परिवार को सूचना दी। परिजनों ने कानूनी कार्रवाई से किया इंकार घटनास्थल पर सीओ अफजलगढ़ अंजनी कुमार चतुर्वेदी और प्रभारी निरीक्षक किशन अवतार पहुंचे। पुलिस ने शव को बाहर निकालकर जांच शुरू की। हालांकि, परिजनों ने किसी कानूनी कार्रवाई से इंकार कर दिया। पंचायतनामा भरने के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

विश्व हिन्दू महासंघ के प्रांतीय अधिवेशन में राजस्थान की शेरनी बाईसा करिश्मा हांडा की दहाड़ गूंजी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। विश्व हिन्दू महासंघ के प्रांतीय अधिवेशन में भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने, वक्फ बोर्ड समाप्त करने तथा न बँटेंगे न करेंगे, सनातनी हैं सनातनी रहेंगे, जैसे प्रस्तावों पर गर्मागर्म बहस की जाएगी। उक्त बातें विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने एक प्रेस वार्ता में कही। प्रजापति -ने कहा कि तीनों तक प्रयागराज के संगम तट पर होने वाले प्रांतीय अधिवेशन का उ?द्घाटन मातृशक्ति ड्ड की राष्ट्रीय अध्यक्ष बाईसा करिश्मा हांडा (राजस्थान की शेरनी) ने किया। विश्व हिन्दू महासंघ के प्रांतीय अधिवेशन में राजस्थान की शेरनी बाईसा करिश्मा हांडा की दहाड़ गूजी।

लोक संन्यासी योगीः आदित्य नाथ के आशीर्वाद से होने वाले इस तीन दिवसीय प्रीतीय अधिवेशन में उक्त प्रस्तावों के अतिरिक्त गुलामी का एहसास कराने वाले प्रतीकों को हटाने, गोमाता को राष्ट्र?माता का दर्जा देने, मतांतरण एक प्रकार का राष्ट्रांतरण है, अतः यह बंद होना चाहिए तथा श्रीकृष्ण जन्मभूमि व काशी विश्वनाथ को अतिक्रमण मुक्त कराने जैसे प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। पारित प्रस्तावों को क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार को भेजे जाएंगे। राष्ट्रसंत अवैद्यनाथ सामाजिक समरसता सम्मान 'नो कास्ट हिंदू राष्ट्र के मिक्षा यात्री स्वामी दीपांकर, लोक संन्यासी योगी आदित्यनाथ संत सम्मान जूना अखाड़ा के अन्तरर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत प्रेम गिरी तथा दिग्विजयनाथ पत्रकारिता सम्मान चर्चित पत्रकार अमिताभ अग्निहोत्री को दिया जायूगा। प्रेस वार्ता में प्रदेश महामंत्री ओम प्रकाश यादव। प्रमुख अनुज सिंह प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष संतोष मिश्रा रुद्र कुमार पाठक, मनोज प्रजापति, रेखा श्रीवास्तव, आनंद वैश्य, आमुलीव प्रकीशानद, धोया शमी इत्यादि साथी उपस्थित रहे।

सभी मिलकर महाकुंभ को स्वच्छ बनाए : कौशल्या नंद गिरी

प्रयागराज नगर निगम की ब्रांड एम्बेसडर के नेतृत्व में स्वच्छता के लिए संगम में निकाली गयी जन जागरूकता रैली

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम की स्वच्छता की ब्रांड एम्बेसडर, उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य और उप्र किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि (टीना मां) के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किन्नर / ट्रांसजेंडरों ने आज महाकुंभ में स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त के जन जागरूकता रैली निकाली। यह जन-जागरूकता रैली बंधवा बाले हनुमान मंदिर से संगम तट तक निकाली गयी।

महामण्डलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरी (टीना मां) के नेतृत्व में स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियान के अंतर्गत महाकुंभ- 2025 के मेला में जागरूकता रैली निकाली गई। महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि ने महाकुंभ - 2025 में यह जागरूकता अभियान पूरे दो माह तक समय - समय पर चलेगा जिसमें यहाँ आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को प्लास्टिक के बहिष्कार व साफ सफाई के लिए जागरूक किया जाएगा जिससे की मेला क्षेत्र की गरिमा और निखर कर आये व प्रयागराज का नाम विश्व पटल पर रोशन हो सके । जन जागरूकता के दौरान किन्नर संत, ट्रांसजेंडर हाथों में स्लोगन लिखे छोटे होर्डिंग्स लिए थे और स्लोगन व नारों से लोगों को जागरूक कर रहे थे।

इसमें वरिष्ठ समाजसेवी राजीव कुमार मिश्र, वरिष्ठ शिक्षक नेता डा हरिप्रकाश यादव, विजय कुमार यादव, विभिन्न सम्प्रदाय के साधु संतों के किन्नर/ ट्रांसजेंडर संत और किन्नर / ट्रांसजेंडर समाज के लोग , किन्नर अखाड़ा की श्रीमहंत संजना नंदगिरी , शोभा, रानी , विशाखा , कशिश, जोया, इच्छा, पूजा, अन्नू, सुरीली,पिरिया,,देवी,करीना,स्वाती संध्या,जानकी ,विमल के साथ साथ जूना अखाड़ा के महंत,सामिया माई मंदिर के प्रधान पुजारी सत्यम जी महराज उपस्थित रहे।

डीएम ने 25 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के वृहद निर्माण कार्य के सम्बन्ध में की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा सम्राट उदयन सभागार में प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत 25 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के वृहद निर्माण कार्य के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की विस्तृत समीक्षा की, समीक्षा के दौरान पाया गया कि निर्माण कार्यों की प्रगति धीमी है, जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं समयान्तर्गत पूर्ण कराये जाने के निर्देश समस्त प्रधानाचार्यों/प्रधानाध्यापकों/कार्यदायी संस्था उ0प्र0 समाज कल्याण निर्माण नि0लि0 (यू0पी0सिडको) को दियें है। उन्होंने सभी को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य को समय से पूर्ण कराया जाय, यदि कार्य में कहीं पर भी किसी प्रकार की समस्या आ रहीं है तो इसके लिए सक्षम अधिकारी से समन्वय स्थापित कर आ रहीं समस्याओं का निस्तारण कराते हुए कार्य को आगे बढ़ाया जाय। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में बाउण्ड्रीवाल के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाय।

जिलाधिकारी के विजिट करने के बाद भी जीजीआईसी सिराथू में बाउण्ड्रीवाल के साथ अन्य कार्यों का निर्माण कार्य शुरू न कराये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जीजीआईसी सिराथू के प्रिंसिपल का वेतन रोकने के निर्देश दियें। उन्होंने विद्यालयों में विद्युत वायरिंग, साफ-सफाई एवं रंगाई-पुताई सहित अन्य आवश्यक कार्यों को पूर्ण कराये जाने के निर्देश दियें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, जिला विद्यालय निरीक्षक सच्चिदानन्द यादव एवं डायट प्राचार्य सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

फतेहपुर पुलिस द्वारा अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की 02 कुंतल 97 किलो धान व एक अदद बैटरा बरामद

फतेहपुर पुलिस ने 3 जुआरियों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। थाना फतेहपुर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त शिवा पुत्र सर्वेश कुमार निवासी ग्राम तालगांव थाना फतेहपुर जनपद बाराबंकी को चोरी के 12 बोरी में 02 कुंतल 97 किलो धान व एक अदद ट्रेक्टर के बैटरा के साथ करसाभारी मोड़, फतेहपुर बाराबंकी से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में ज्ञात हुआ कि अभियुक्त द्वारा उक्त धान व बैटरा को दिनांक 28.11.2024 की रात्रि को तालगांव से चोरी किया था।

बाराबंकी। थाना फतेहपुर पुलिस टीम द्वारा सोमवार को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे 3 अभियुक्तगण अतुल कुमार पुत्र प्रेम चन्द्र, राम किशुन पुत्र बंशीलाल, 3. मो0 जमील पुत्र नजर मोहम्मद निवासीगण ग्राम मिठवारा थाना फतेहपुर जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से ताश के 52 पत्ते व मालफड़/जामातलाशी के कुल 950/- रुपए बरामद किया।

पं अशोक पाठक का गीता के कर्मयोग पर व्याख्यान छह को

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सनातन एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं अशोक कुमार पाठक का गीता पर व्याख्यान छह दिसंबर शुक्रवार को दोपहर एक बजे केपी इण्टरमीडिएट कालेज में होगा। उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवद् गीता में कर्मयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है इसका लाभ युवा वर्ग को मिले, इसकी जानकारी विद्यालयों के माध्यम से बच्चों को दी जा रही है। पं अशोक कुमार पाठक ने बताया कि गीता हमें बौद्धिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक सहित अन्य के बारे में पूरी जानकारी देते अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने बताया कि विद्यालयों के माध्यम से बच्चों को अपने कर्तव्य, नैतिकता, आचरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

ललौली पुलिस द्वारा 2 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर।पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराधियो व अपराधों की रोकथाम तथा वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना ललौली पुलिस टीम द्वारा दो वारन्टी अभियुक्तों राम कुमार पुत्र छोटेलाल वाल्मीकि . मनीष कुमार पुत्र छोटेलाल वाल्मीकि निवासी ग्राम महना थाना ललौली जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

युवक अवैध तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में वांछित वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना मलवां पुलिस द्वारा अभियुक्त शेर मोहम्मद पुत्र तुफैल अहमद निवासी उत्तरी खेलदार मोहल्ला थाना कोतवाली जनपद फतेहपुर को जयपुरिया स्कूल के आगे पुलिया के पास बहद ग्राम मलवां से मय 01 अदद तमंचा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया।

लूट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, जेल

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया। हंडिया कोतवाली पुलिस लुटेरों के खिलाफ चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर लूट के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को सोमवार पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक हंडिया बृज किशोर गौतम ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश चेकिंग किया जा रहा था इसी बीच मुखबिर की सूचना पर लूट के मामले में वांछित अभियुक्त अमजद पुत्र लवेदी अंसारी निवासी ग्राम बीरमपुर इमामगंज थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बीरमपुर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम प्र0नि0 बृजकिशोर गौतम, थाना हण्डिया, उ0नि0 मणिभूषण शुक्ला. उ0नि0 अमित कुमार, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज

घण्टो लगा रहा भीषण जाम नगर वासी रहे परेशान

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। सराय अकिल कस्बे के करन चौराहा और उसके आसपास सड़क पर जाम लगना आम बात हो गई है सड़क पर रोज लगने वाले जाम से नगर के साथ-साथ गांव के लोग भी परेशान हो गए हैं जाम की स्थिति इतनी खराब है कि कई कई घंटे लोग जम के बीच फंसे रहते है और बेचैन होते हैं सोमवार के दिन भी सराय अकिल में ढाई घंटे से अधिक सड़क पर जाम लग रहा है लेकिन कोई भी पुलिस कर्मी जाम हटाने के लिए आगे नहीं आया यातायात पुलिस की कस्बे में ड्यूटी भी लगाई गई है लेकिन सड़क पर घंटो जाम लगने के बाद यातायात पुलिस से जाम से कोई मतलब नहीं दिखाई पड़ता है कस्बे में सराय अकिल थाना भी है घंटो जाम लगने के बाद भी सराय अकिल थाना पुलिस भी जाम हटाने के लिए सार्थक पहल नहीं करती है जिससे जाम लाइलाज बन चुका है और आमजन मानस जाम से परेशान है अभी 1 महीने तक यातायात माह मनाया गया यातायात से संबंधित तमाम नियम कायदे बताए गए लेकिन यातायात माह में भी सराय अकिल कस्बे का जाम नहीं समाप्त हो सका है बताया जाता है कि ओवरलोड तेज गति बालू वाहन भी जाम का एक प्रमुख कारण है दूसरी तरफ चौराहे पर खड़े होने वाले विक्रम अपे ई रिक्शा भी जाम को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं आखिर नगर के लोगों को कब तक जाम की समस्या से जूझना पड़ेगा।

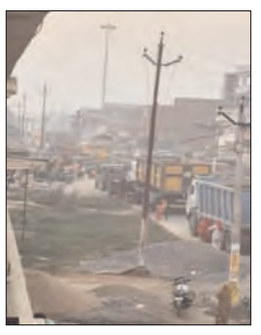

भीड़ भाड़ वाले इलाके में एएसपी ने किया पैदल गस्त

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा का भाव जागृत करने के उद्देश्य से थाना मंझनपुर पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र अन्तर्गत भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों व मुख्य मार्गों/चौराहों में पैदल गस्त की गई एवं पेट्रोल पम्प का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पेट्रोल पम्प संचालक से वार्ता कर सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया गया।

फूलपुर सी एच सी में आशाओं को बताएं सुरक्षा उपाय

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर थाना की महिला उप निरीक्षक मिताली सिंह एवं कांस्टेबल शिवांगी शुक्ला ने सोमवार को प्रभारी निरीक्षक फूलपुर प्रवीण कुमार गौतम के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फूलपुर में जाकर वहां पर कार्यरत आशा बहुओं तथा ग्रामीण क्षेत्र से इलाज हेतु आयी महिलाओं को प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे महिला सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आत्मनिर्भर बनने तथा उनकी स्वयं की सुरक्षा कैसे हो इस हेतु प्रदेश सरकार द्वारा जारी पम्फलेट वितरित करके उन्हें जागरूक किया। महिलाओं को सरकार द्वारा प्रदत्त उनके अधिकार व कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी। विधवा वृद्धा विकलांग पेंशन सामूहिक विवाह योजना सीएम हेल्पलाइन वूमेन पावर चाइल्ड हेल्पलाइन आदि की विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

प्लास्टिक मुक्त कुम्भ के प्रति सभी को करें जागरूक : डीएम रवीन्द्र कुमार मांदण

डीएम ने कहा कि अध्यात्म एवं अध्यापक एक दूसरे के है पूरक डीआईओएस के नेतृत्व में शिक्षकों ने स्वच्छ कुम्भ, सुरक्षित कुम्भ,प्लास्टिक मुक्त कुम्भ को निकाली जागरूकता रैली

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम रवीन्द्र कुमार मांदण ने महाकुम्भ - 2025 के सुरक्षित, स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त आयोजन के जागरूकता अभियान के तहत माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से केपी ग्राउण्ड में आयोजित स्कूटी /बाईक रैली को हरी झण्डी दिखाकर आज रवाना किया। इस अवसर पर जिले के माध्यमिक विद्यालयों के दो हजार से अधिक शिक्षक, शिक्षिकाएं, स्काउट गाइड, बेसिक शिक्षा के शिक्षक, शिक्षिकाएं अपनी-अपनी स्कूटी, बाईक के साथ शामिल हुये। डीआईओएस पीएन सिंह ने डीएम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सहित सभी का स्वागत करते हुये कहा कि प्रयागराज में यह विश्व स्तरीय आयोजन हम सब के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ -2025 को स्वच्छ, सुरक्षित एवं प्लास्टिक मुक्त बनाये जाने के प्रति कृत संकल्पित है। डीएम के निर्देशन में सम्पूर्ण जनपद में कार्ययोजना के माध्यम से निरंतर जन जागरूकता अभियान का संचालन कराया जा रहा है।

रैली को सम्बोधित करते हुये डीएम रवीन्द्र कुमार मांदण ने स्वच्छता शपथ दिलाते हुये कहा कि अध्यात्म और अध्यापक एक दूसरे के पूरक है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज में आकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। त्रिवेणी तट पर आयोजित महाकुम्भ में शिक्षकों के ज्ञान, अध्यात्म, समर्पण एवं सेवा की भावना इस आयोजन को भव्य दिव्य नव्य, सुरक्षित स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने में अवश्य सफल होगी। हमारे विद्यार्थी जन-जन को प्लास्टिक मुक्त कुम्भ के प्रति जागरूक करेगें एवं सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को बताते हुये स्वच्छ कुम्भ की ओर बढ़ रहे है। यह हम सब के लिए प्रेरणा दायी है। कार्यक्रम में जगत तारन गर्ल्स इण्टर कालेज की छात्राओं ने स्वागत गीत एवं समुद्र मन्थन की थीम पर एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गयी। संचालन डॉ प्रभाकर त्रिपाठी ने किया ।

एम आर शेरवानी इंटर कॉलेज के कला शिक्षक इरशाद अहमद ने डीएम का एक सुंदर व्यक्ति चित्र बनाया जिसे कार्यक्रम के दौरान डीआईओएस पीएन सिंह ने डीएम को सप्रेम भेंट किया। रैली केपी ग्राउण्ड से शुरू होकर मेडिकल चौराहा, हनुमान मन्दिर चौराहा, पत्थर गिरजा चौराहा, एकलव्य चौराहा, एजी आफिस चौराहा, चौधरी चुन्नी लाल चौराहा, महाराणा प्रताप चौराहा, हेलीकाप्टर चौराहा, हिन्दू हास्टल चौराहा, इण्डियन प्रेस चौराहा, महर्षि भरद्वाज चौराहा से जगत तारन गर्ल्स इण्टर कालेज होते हुये केपी इण्टर कालेज मैदान में समाप्त हुयी। कार्यक्रम में एडीआईओएस एलबी मौर्य, डॉ बीएस यादव, खेल सचिव बृजेश श्रीवास्तव सहित जनपद के राजकीय / माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक/शिक्षिकाएं मौजूद थे । समापन के अवसर पर डीआईओएस पीएन सिंह ने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये रैली में उत्साह पूर्वक भाग लेने के लिए सभी की सराहना की।

संपादक की कलम से

संभल के पीछे की नीयत

बंटेंगे तो कटेंगे। एक हैं तो सेफ हैं। अयोध्या तो झांकी, काशी, मथुरा बाकी है। भाजपा के दिए ये तमाम नारे संविधान को ठेंगा दिखाकर भारत की जनता को चिढ़ाने वाले हैं कि तुम लोग हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं, जैसे पुराने दौर को याद करते रहो और हम तुम्हारी नजरों के सामने न्यू इंडिया बना कर दिखा देंगे, जिसमें न संविधान की कोई इज्जत रहेगी, न लोकतंत्र की कोई मयार्दा होगी। उत्तरप्रदेश के संभल में फिलहाल जो माहौल बना हुआ है, कम से कम उसे देखकर यही नजर आ रहा है कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में हिंदुत्व की उग्रता का और क्रूर चेहरा देखने मिलेगा।

इसी उत्तरप्रदेश में 5 सौ साल पुरानी बाबरी मस्जिद को तोड़ने के लिए भाजपा ने पूरी व्यूह रचना की थी। लालकृष्ण आडवानी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा निकाली। जिन राज्यों से आडवानी का आधुनिक रथ निकला, वहां दंगे भड़कने की जमीन तैयार हुई। बिहार में लालू प्रसाद ने हिम्मत दिखाई, वहां रथ नहीं निकलने दिया तो सांप्रदायिक हिंसा से लंबे वक्त तक बिहार बचा रहा। हालांकि अब देश का कोई भी राज्य इस जहर से अछूता नहीं है, क्योंकि भाजपा ने पिछले तीस सालों में अपने हाथ-पैर सब तरफ फैला दिए हैं। इस फैलाव को सियासत की भाषा में सत्ता कहते हैं। भाजपा गर्व से दिखाती है कि हिंदुस्तान के कितने राज्य अब भगवा रंग में रंगे जा चुके हैं। और देश प्रेम का दावा करने वाले पलट कर पूछते भी नहीं कि तिरंगे के बाकी दो रंग और बीच के चक्र में जो नीला रंग है, उसके लिए जगह क्यों नहीं बन रही। आडवानी की रथ यात्रा के कारण भाजपा को सत्ता में आने का मौका मिल गया, फिर मोदी के गुजरात और गुजरात में गोधरा के कारण केंद्र की सत्ता फिर से मिली, तीन बार लगातार मिली, लेकिन इसमें भारत के पास आखिर में बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारे ही बचे हुए दिख रहे हैं। या फिर नजर आ रही है बाबरी मस्जिद के बाद देश की बाकी मस्जिदों पर शक की निगाहें।

बाबरी मस्जिद को तोड़ना गलत था, यानी अपराध था, ये बात सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में कही गई, लेकिन इसके अपराधियों को देश ने सजा पाते नहीं देखा, उल्टे सर्वोच्च अलंकरणों से सम्मानित होते देखा। राम मंदिर बन गया तो हिंदुत्व ब्रिगेड के हौसले और बुलंद हो गए। बाबरी मस्जिद तोड़ने के बाद ही नरसिंह राव सरकार ने धार्मिक स्थल कानून बनाया, उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991, नामक इस कानून के तहत 15 अगस्त, 1947 से पहले बने किसी भी धार्मिक स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। दूसरे धर्म के कब्जे के सबूत पर भी कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। और इस कानून का उल्लंघन करने पर तीन साल तक की जेल और जुमार्ना हो सकता है। इस कानून के बावजूद काशी में ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश हुआ और अब संभल में भी इसी तरह शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के आदेश अदालत ने दिए, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के वकील विष्णु शंकर जैन ने एक शिकायत में दावा किया कि मस्जिद के स्थान पर कभी हरिहर मंदिर नामक मंदिर हुआ करता था और मुगल सम्राट बाबर ने 1529 में इसे आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया था। ध्यान रहे कि विष्णु जैन और उनके पिता हरि शंकर जैन ने ज्ञानवापी-काशी विश्वनाथ विवाद समेत पूजा स्थलों से जुड़े कई मामलों में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व किया है। शिकायत के बाद अदालत ने सर्वे का आदेश दिया था और इसी को लेकर सर्वे टीम मस्जिद पहुँची थी। एक सर्वे 19 नवंबर को हो चुका था और रविवार को दूसरे सर्वे के लिए टीम फिर पहुंची, तो इस दौरान हिंसा भड़क गई।

पुलिस का कहना है कि सर्वे दल पर पथराव हुआ, माहौल हिंसक हो गया। लेकिन यह स्पष्टीकरण कोई नहीं दे रहा कि सर्वे जैसे काम में जय श्री राम के नारे लगने का क्या मतलब है। क्यों यह सर्वे सुबह के वक्त करने का फैसला लिया गया। ऐसा नहीं है कि पहले सर्वे के वक्त से हालात सामान्य थे। किसी के घर पर अचानक कोई आकर दावा करने लगे और आनन-फानन में सारे सबूत जुटाने की तैयारी होने लगे, तो माहौल बिगड़ेगा ही। उत्तरप्रदेश पहले से सांप्रदायिक तौर पर संवेदनशील राज्य रहा है, इसके बावजूद प्रशासन की तरफ से जो लापरवाही बरती गई उसकी जिम्मेदार सीधे-सीधे योगी सरकार है। मगर अब भी ठीकरा दूसरों के सिर पर फोड़ने की तैयारी चल रही है।कहा जा रहा है कि रविवार को जब सर्वेक्षण दल पहुंचा तो उसका विरोध करने के लिए सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी शाही जामा मस्जिद के पास जुटे। इसी बीच धक्का मुक्की शुरू हो गयी। झड़प के बाद पथराव की घटना हुई। कुछ वीडियो में पुलिस को गोलियाँ चलाते देख जा सकता है। कुछ वीडियो में पुलिस को अपशब्दों का प्रयोग करते भी देखा गया है। हालांकि इनकी पुष्टि होना बाकी है। मगर इस हिंसक झड़प में चार लोगों की मौत हो गई।

जब धार्मिक जुलूसों या सत्संग आदि में कभी भगदड़ हो और लोगों की मौत हो तो प्रशासन फौरन मुआवजे का ऐलान कर देता है। लेकिन संभल में जिन लोगों की मौत हुई, उनके परिजनों के पास जीवन भर के गम के अलावा और कुछ नहीं बचा है। विपक्ष इस मसले पर सोमवार से शुरू हुए संसद सत्र में चर्चा चाहता था, लेकिन मोदी सरकार को जवाबदेही से बचाने के लिए सोमवार का सत्र चला ही नहीं, मंगलवार को भी सत्र स्थगित रहेगा और सरकार संविधान दिवस मना कर संविधान की रक्षा का ढोंग कर लेगी और बुधवार को जब सदन फिर से बैठेगा, तब तक संभल की जगह शायद कोई और मुद्दा तूल पकड़ लेगा।

सर्दियों में त्वचा और एड़ियों का फटना, कैसे करें इसका इलाज, किन चीजों से हो सकता है बचाव

नई दिल्ली। सर्दियों का मौसम आते ही शरीर की त्वचा में कई बदलाव होने लगते हैं। इस दौरान अधिकांश लोगों को त्वचा और एड़ियों के फटने की समस्या होती है। सर्दी के मौसम में सबसे ज्यादा हमारी त्वचा को ही नुकसान पहुंचता है। सर्दी में त्वचा में दरारें, एड़ियों का फटना एक बड़ी समस्या बन जाती है। ऐसे में सर्दियों में त्वचा और एड़ियों के फटने से बचने और इसे ठीक करने के लिए कुछ खास उपायों को अपनाना बेहद जरूरी है।

सर्दियों में त्वचा को नमी की जरूरत होती है। इसलिए, अच्छे गुणवत्ता वाले मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें, खासकर एड़ियों और पैरों की त्वचा के लिए नमी बनाए रखना जरूरी है। मॉइस्चराइज में ऐसे तत्व होने चाहिए, जो त्वचा को गहराई से पोषण दें। रात को सोने से पहले नारियल तेल या ओलिव ऑयल से अपनी एड़ियों की मालिश करें। इन तेलों में एंटीऑक्सीडेंट्स और हाइड्रेटिंग गुण होते हैं, जो त्वचा को मुलायम बनाते हैं और फटी एड़ियों को ठीक करते हैं। इसके अलावा, गर्म पानी में थोड़े से नमक को मिलाकर पैरों की सिकाई करें। यह त्वचा को मुलायम बनाने में मदद करेगा और फटी हुई एड़ियों में आराम देगा।

अगर आपकी एड़ियां बहुत अधिक फटी हुई है और दर्द हो रहा है, तो डॉक्टर से सलाह लेकर मेडिकेटेड क्रीम का इस्तेमाल करें। इन क्रीम में सैलिसिलिक एसिड होता है, जो त्वचा की ऊपरी परत को नरम करके उसे ठीक करता है। नहाने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करना बेहतर होता है, यह त्वचा की नमी को बनाए रखने में मदद करता है। फटी त्वचा पर मृत कोशिकाओं की परत जम जाती है। इस पर स्क्रब का इस्तेमाल करना चाहिए, ताकि त्वचा की मृत परत हट सके। हालांकि यह बहुत सावधानीपूर्वक करना चाहिए, ताकि त्वचा को और अधिक नुकसान न हो। सोते समय मुलायम कॉटन के मोजे पहनने से एड़ियों में नमी बनी रहती है और त्वचा नरम होती है। आप नारियल तेल या किसी अच्छे मॉइस्चराइजर को एड़ियों पर लगाकर मोजे पहन सकते हैं। त्वचा और एड़ियों को फटने से बचाने के लिए विटामिन ए, सी और ई से भरपूर आहार लें। इसके लिए आप गाजर, हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, और ड्राई फ्रूट्स खा सकते हैं। ये आपकी त्वचा को अंदर से पोषण देंगे और सूखने से बचाएंगे। इसके अलावा, तंग या कठोर जूते पहनने से बचें। अपने पैरों को आरामदायक और मुलायम जूते पहनने दें, ताकि एड़ियों पर दबाव न पड़े और त्वचा सुरक्षित रहे। सर्दी के मौसम में लोगों को अक्सर कम पानी पीते हुए देखा गया है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखना काफी महत्वपूर्ण है। जितना हो सके पानी पीएं, क्योंकि इससे आपकी त्वचा को अंदर से नमी मिलती है और वह सूखने से बचती है।

भोपाल की गैस दुर्घटना : प्रलय सा दृश्य

दिनेश चंद्र वर्मा

दो दिसम्बर 1984 की रात को भोपाल में एक कुहराम मच गया और ढाई हजार से ज्यादा जिंदगियां हमेशा के लिए खामोश हो गईं, सैकड़ों लोगों की आंखों के आगे अंधेरा छा गया। हजारों लोग बेसहारा हो गए। विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण की इस घटना से संपूर्ण विश्व से एक कराह उठी यह कैसे और क्यों हुआ?

कयामत या प्रलय की कल्पना केवल धार्मिक किताबों में की गई है, पर भोपाल के किसी निवासी से आप यदि यह पूछें कि क्या उसने प्रलय या कयामत देखी है तो वह तपाक से उत्तर देगा, ह्यह्यहां, हमने 2 और 3 दिसम्बर की रात को झीलों के इस खूबसूरत शहर में प्रलय या कयामत होते देखी है ह्लह्ल इस प्रलय का असर आज भी इस खूबसूरत शहर पर दिखाई दे रहा है। हजारों लोग शहर छोडकर भाग गए और भाग रहे हैं।

अधिकृत आंकड़े बताते हैं कि अब तक ढाई हजार लोग मारे जा चुके हैं, मेथिल आइसो साइएनेट नामक जहरीली गैस से दो लाख व्यक्ति प्रभावित हुए हैं। मगर भोपाल के लोग इस आंकड़े को सच पर परदा डालने की कोशिश बता रहे हैं, अनुमान है कि दुनिया की इस सबसे बड़ी गैस दुर्घटना में 10 से 12 हजार लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है, अब भी हजारों लोग आंखों में जलन तथा सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत कर रहे हैं।

अस्पतालों में 3 दिसम्बर से मरीजों के आने का जो तांता लगा, वह अभी तक कायम है। लोग अपने घरों को लौटने में हिचक रहे हैं और अपने खुले घरों को छोडकर सैकड़ों मील की दूरी पर स्थित अपने मित्रों और रिश्तेदारों के यहां पहुंच गए हैं।

भोपाल के आसपास के कस्बों और शहरों के अस्पताल गैस पीडित मरीजों से भरे पड़े हैं। जगह नहीं है, इसलिए अस्पतालों के बाहर शामियाने लगाकर इलाज हो रहा है। मरीज आगरा, झांसी और नागपुर तक के अस्पतालों में भर्ती हैं।

मौतें कितनी हुई, यह कोई नहीं बता सकता। भोपाल के श्मशान और कब्रिस्तान छोटे पड़ गए। श्मशानों में सामूहिक दाह संस्कार हुआ। शहर काजी ने कब्रिस्तानों की पुरानी कब्रें खोद कर उनमें मुर्दे दफनाएं।

हजारों जानवर भी इस दुर्घटना में मारे गए। इन जानवरों को दफनाने के काम में भोपाल शहर नगर निगम पूरी तरह असफल रहा। ये जानवर भोपाल विदिशा मार्ग पर फेंके जा रहे हैं।

गैस के दूरगामी परिणाम

वैसे डॉक्टर इस गैस के दूरगामी परिणामों को लेकर भी परेशान हैं। आशंका है कि गैस से प्रभावित लोगों को बाद में भी बीमारियां हो सकती हैं। भोपाल के निवासियों को खाने पीने तक का संकट हो गया है।

दुर्घटना के पांच दिन बाद इस प्रदेश के मुख्यमंत्री तक यह बताने की स्थिति में नहीं थे कि हवा और पानी में गैस का जहरीला असर खत्म हो गया है या नहीं। भोपाल के नलों में जिस तालाब का पानी आता है उसमें सैकड़ों मछलियां मर रही थीं। हवा में गैस का असर महसूस हो रहा था। आंखों में हलकी जलन महसूस हो रही थी। सरकार का हर पुरजा अफवाहों से सावधान रहने की सीख दे रहा था। मगर सही हालत क्या है, यह बताने की स्थिति में कोई नहीं था।

मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह भी कुछ बताने की स्थिति में नहीं थे। वह हर दिन देशी-विदेशी पत्रकारों और कैमरामैनों से घिरे रहते थे और उनके प्रश्नों के गोलमोल उत्तर देते हुए नाराज हो जाते थे। मुख्यमंत्री बेचारे क्या करते? मध्यप्रदेश का प्रशासन ही पूरी तरह ठप हो गया था। उन्हें खुद यह नहीं मालूम था कि कहां क्या हो रहा है और उनसे प्रश्न पूछने वाले पत्रकारों में मध्य प्रदेश से बाहर के ही नहीं, बल्कि भारत से बाहर के पत्रकार भी होते थे।

हुआ क्या था?

वह रविवार की ठंडी रात थी। भोपाल के निवासी हमेशा की तरह अपने बिस्तरों में दुबके पड़े थे। आधी रात

के आसपास भोपाल के उत्तरी सिरे बैरसिया रोड पर स्थित कीटनाशक दवाइयों के कारखाने यूनियन कार्बाइड से जहरीली गैस मेथिल आइसो साइएनेट रिसनी शुरू हुई। धीरे धीरे यह गैस भोपाल शहर पर छा गई। गहरी नींद में सोए लोग जाग पड़े। उन्हें आंखों में जलन होने लगीं, सांस लेने में तकलीफ होने लगी, फिर आंखों से आंसू आने शुरू हो गए और खांसी भी आने लगी। इसके बाद सांस लेने में तकलीफ शुरू हुई और सैकड़ों लोग बिस्तर में ही तड़प तड़प कर कुत्तों की मौत मर गए।

और इसके साथ ही सारे शहर में हड़बड़ी और हाहाकार मच गया। लोग अपने घरों से निकले और सिर पर पैर रखकर भागे। ऐसा लगता था कि सारा शहर भाग रहा हो, लोग सडकों पर भाग रहे थे- बसों से, ट्रकों से, कारों से, आटो रिक्शाओं से, मोटर साइकिलों और स्कूटरों से, साइकिलों से, जिन्हें कुछ नहीं मिला, वे पैदल ही भाग रहे थे। कोई पीछे मुडकर नहीं देख रहा था। कोई उस शहर में नहीं रहना चाहता था जहां उसने वर्षों गुजारे थे।

मगर भागने से भी लोगों की जानें नहीं बचीं, कुछ लोग भागते हुए मर गए और उनकी लाशें सडकों के किनारों तथा रेलवे स्टेशन पर पड़ी थी। जहां उन पर दिन भर मक्खियां भिनकती रहीं। कुछ लोग भागकर दूसरे शहरों में पहुंचे तो वहां मर गए।

सडकों पर लाशों पर ही नहीं, बल्कि दूसरी कई चीजों पर भी मक्खियां भिनभिना रही थी। सडकों पर उल्टियों के ढेर लगे थे। भोपाल एक श्मशान में तब्दील हो चुका था। आदमी ही नहीं पशुपक्षी, गाय, भैंस, बैल, बकरी, घोड़े और मुर्गों के अलावा अनेक जानवरों की लाशों से शहर अटा पड़ा था। यूनियन काबाईड के सामने की झुग्गी झोपडि?ों की बस्ती जयप्रकाश नगर में सबसे ज्यादा लाशें पड़ी हुई थीं। लाशें इसलिए पड़ी रही, क्योंकि भापल से प्रशासन भी भाग चुका था।

कहा जाता है कि जब गैस रिसनी शुरू हुई थी यूनियन काबाईड के कर्मचारियों ने प्रशासन को सूचना दे दी थी। मगर प्रशासनिक अधिकारियों ने बजाए जनता को बचाने के अपनी और अपने परिवारों की जान बचाना बेहतर समझा। अधिकारी और राजनीतिबाज सरकारी गाडि?ों में अपने परिवारों सहित बैठकर भाग गए और दूसरे दिन लौटे, तब तक शहर में लाशें सडकों पर बिखरी रहीं और नागरिक कीड़ों की तरह बिलबिलाते, बिलखते और तड़पते हुए अस्पतालों में अपनी जान बचाने की कोशिश करते रहे।

अस्पतालों में भी रेलमपेल मची हुई थी। अनेक डॉक्टर और कर्मचारी लापता थे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के दर्शन भी दुर्लभ हो गए थे। जब 3 दिसम्बर का सूरज उग रहा था, तब भोपाल के अस्पताल लाशों के ढेरों में तब्दील हो चुके थे।

मुख्यमंत्री की घोषणा

मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने प्रशासन के ठप हो जाने और जिम्मेदार अधिकारियों के भाग जाने के संबंध में तो कुछ नहीं कहा है, पर अपने बारे में जरूर ऐलान किया है कि यदि कोई यह सिद्ध कर देगा कि 2 और 3 दिसम्बर की रात को वह भोपाल छोडकर केरवा बांध स्थित अपने बंगले में भाग कर चले गए थे तो वह राजनीति से सन्यास ले लेंगे। मगर अर्जुन सिंह बजाए इतनी घोषणाएं करने एवं नाटक करने के सीधे सीधे यह क्यों नहीं बता रहे हैं कि वह उस रात को कहां थे? और यदि वह भागे नहीं थे तो क्या उनका प्रशासन इतना निकम्मा है कि अफसरों की फौज में से किसी ने भी उन्हें यह सूचना नहीं दी कि भोपाल में क्या हो रहा है? या उन्हें सूचना मिल गई थी, तो क्या वह भोपाल के रेलवे स्टेशन पर तैनात उन कर्मचारियों से गए बीते हो गए थे, जिन्होंने यात्रियों की जान बचाने के लिए अपने आप को बलि चढ़ा दिया था?

मध्यप्रदेश की जनता न्यायिक जांच आयोग से जानने की अपेक्षा उनसे ही सीधे सीधे यह जानना चाहती है कि वह उस रात कहां थे। उन्हें इस हादसे की सूचना कब मिली? यदि नहीं मिली तो इसका कारण क्या है? यदि मिल गई थी तो फिर उन्होंने अपने संवेदनशील प्रशासन को कैसे और कब सक्रिय किया?

इस घटना को लेकर अर्जुन सिंह और सरकार के प्रति आक्रोश, रोष और असंतोष से भोपाल के समाचार पत्र भरे पड़े हैं। स्वयं अर्जुन सिंह जब अस्पताल में लाशों को देखने गए तो शोक संतप्त लोगों ने उन पर फब्तियां कसीं और उन्हें भला बुरा कहा।

दुर्घटना कैसे हुई

इस प्रलयकारी दुर्घटना की कहानी बड़ी पुरानी है। दुर्घटना के लिए यूनियन काबाईड के प्रबंधकों एवं सरकार की मिलीभगत, घनघोर लापरवाही, विशेषज्ञों का अभाव तथा सुरक्षा उपायों की अवहेलना जिम्मेदार है। इस कारखाने के कर्मचारियों ने इस पत्रकार को बताया कि गैस के टैंक में पानी चला जाना इस दुर्घटना का मुख्य कारण था। करीब 15 दिन पूर्व ही टैंक में गैस का दबाव बढ़ गया था। दबाव और तापमान बताने वाले मीटरों की सुइयां असामान्य स्थिति की सूचना दे रही थीं। दुर्घटना से तीन दिन पहले सेफ्टी वाल्व से गैस रिसनी शुरू हो गई थी, किंतु कर्मचारी और अधिकारी इसलिए बेफिक्र थे कि जब यह गैस कास्टिक सोडा के स्क्रबर से गुजरती है तो उसका जहरीला दबाव समाप्त हो जाता है।

2 दिसम्बर की शाम को गैस की टंकी की इस असामान्य स्थिति की जानकारी इस कारखाने के अधिकारियों को थी, उसी रात टैंक में कहीं और से अधिक पानी रिस गया। गैस का यह टैंक जमीन में पड़ा हुआ था, वह इतना गरम हो गया था कि टैंक के ऊपर का सीमेंट का हिस्सा तडक गया था, तभी टैंक के एक वाल्व की डिस्क उछल गई और गैस चिमनी के रास्ते निकलने लगी। पर यदि सेफ्टी वाल्व की डिस्क नहीं हटती और गैस तेजी से निकलनी शुरू नहीं होती तो टैंक में भीषण विस्फोट होना निश्चित था और यदि यह विस्फोट होता तो भोपाल शहर एक खंडहर और वीरान शहर में तब्दील हो जाता।

टैंक के अंदर पानी कैसे चला गया। इस संबंध में बताया जाता है कि 2 दिसम्बर को मेथिल आइसो साइएनेट, कार्बन मोनो आक्साइड एवं फास्जीन जैसी जानलेवा गैसों के संयंत्र बंद थे, मगर ह्यसेविनह्लह्ल नामक एक कीटनाशक दवा के उत्पादन की तैयारी के लिए बाहरी सतह की सफाई चल रही थी। इस सफाई में पानी का इस्तेमाल किया गया था। यही पानी मेथिल आइसो साइएनेट के भूमिगत टैंक में घुस गया। पानी के टैंक में जाते ही हाइड्रोवर्मिक रिएक्शन शुरू हो गया और टैंक में दबाव तथा तापमान बढने लगा।

यदि यह गैस केमिकल फिल्टर से निकलती तो भी इसका घातक प्रभाव नहीं रहता, मगर यह फिल्टर भी काम नहीं कर रहा था। इसलिए गैस सीधे ही हवा में जाने लगी। यह सब रात को 12 बजे शुरू हो गया था।

अब सर्वोच्च न्यायालय पूजा स्थल अधिनियम की रक्षा करे

- पी सुधीर

संभल में 16वीं सदी की मस्जिद को लेकर विवाद को हवा देने की कोशिशों में न्यायिक मिलीभगत का भी हाथ था। उत्तर प्रदेश के स्थानीय न्यायालयों में हमने जो देखा है- वाराणसी, मथुरा और अब संभल में - वह सदियों पुरानी मस्जिदों को हिंदू वर्चस्व स्थापित करने के लिए युद्ध के मैदान में बदलने की योजनाबद्ध कोशिश है।

उत्तर प्रदेश के संभल में हाल ही में हुई घटनाएं, जिसमें पांच युवा मुस्लिम पुरुषों की मौत हो गयी, संसद द्वारा अधिनियमित पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के महत्व को रेखांकित करती है। यह कानून देश की आजादी 15 अगस्त 1947 को पूजा स्थलों की स्थिति के अलग 'किसी भी पूजा स्थल के रूपांतरण; (धारा 3) को प्रतिबंधित करता है और उस समय की स्थिति के अनुरूप 'किसी भी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बनाये रखने का प्रावधान करता है (धारा 4)। कोई भी व्यक्ति 'किसी भी धार्मिक संप्रदाय या उसके किसी भी वर्ग के पूजा स्थल को उसी धार्मिक संप्रदाय के किसी अन्य वर्ग या किसी अन्य धार्मिक संप्रदाय के पूजा स्थल में परिवर्तित नहीं कर सकता;। ध्यान रहे कि रामजन्मभूमि- बाबरी मस्जिद विवाद को अधिनियम के दायरे से बाहर रखा गया था।

2019 में अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ के फैसले ने भी पूजा स्थल अधिनियम की वैधता को दोहराया था और कहा था कि मौजूदा धार्मिक स्थलों के खिलाफ कोई दावा कानून द्वारा स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि, मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने की अनुमति दी थी। जिला अदालत में दायर एक याचिका में कहा गया है कि मस्जिद को एक ध्वस्त मंदिर के खंडहर पर बनाया गया था। भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सर्वेक्षण जारी रखने की अनुमति देते हुए कहा कि 1991 के अधिनियम के तहत किसी धार्मिक स्थल की प्रकृति का पता लगाना वर्जित नहीं है। बाद में न्यायालय ने यह भी माना कि याचिकाकर्ता केवल 15 अगस्त, 1947 को स्थान की स्थिति का पता लगाने की मांग कर रहे हैं, न कि अधिनियम के अनुसार स्थान की प्रकृति को बदलने या परिवर्तित करने की।इस भयावह निर्णय से, हिंदू संप्रदायवादियों के लिए विभिन्न स्थानों पर कानूनी विवाद खड़ा करने के लिए बाढ़ के द्वार खुल गये, जहां मस्जिदें मौजूद हैं। ज्ञानवापी मस्जिद सर्वेक्षण की मांग के बाद मथुरा में ईदगाह में इसी तरह का मामला सामने आया और जिला अदालत ने सर्वेक्षण का आदेश दिया। इसके बाद संभल का मामला आया। 19 नवंबर को जिला अदालत ने अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा दायर एक आवेदन के आधार पर 1526 में निर्मित मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण की अनुमति दी, जिन्होंने पहले मथुरा और वाराणसी की जिला अदालत में याचिकाएं दायर की थीं। इस तथ्य के बावजूद कि मस्जिद एक संरक्षित स्मारक है, आवेदन को तुरंत स्वीकार कर लिया गया।आश्चर्यजनक तत्परता के साथ, अदालत ने एक अधिवक्ता आयोग का गठन किया और उसी दिन सर्वेक्षण करने का आदेश दिया। सर्वेक्षण रिपोर्ट 29 नवंबर को प्रस्तुत की जानी थी। मस्जिद समिति को सुनवाई का मौका भी नहीं दिया गया। मस्जिद समिति के पूर्ण सहयोग से सर्वेक्षण किया गया। हालांकि, 24 नवंबर को सर्वेक्षण दल मस्जिद में एक और सर्वेक्षण करने पहुंचा। इस बार उनके साथ न केवल पुलिस थी, बल्कि बड़ी संख्या में लोग 'जय श्री रामज के नारे लगा रहे थे। मुसलमानों की भीड़ जमा हो गयी और कुछ ही देर बाद स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गयी, पत्थरबाजी, लाठी चार्ज, आंसू गैस और गोलीबारी शुरू हो गयी। तीन युवा मुस्लिम युवकों की गोली लगने से मौत हो गई और बाद में दो और घायल हो गए।स्थानीय समाजवादी पार्टी के सांसद और समाजवादी पार्टी के विधायक के बेटे पर पुलिस द्वारा दर्ज की गयी एफआईआर में दंगा और हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया है। उत्तर प्रदेश में आदित्यनाथ शासन में किसी भी बहाने से मुसलमानों पर बड़े पैमाने पर हमला किया जा रहा है। कुछ सप्ताह पहले बहराइच में हुई सांप्रदायिक हिंसा के कारण मुस्लिम समुदाय के खिलाफ राज्य का दमन हुआ और बड़ी संख्या में मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया गया। हिंदूवादी संगठन कानूनी तरीके से विवाद को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न मस्जिदों को निशाना बना रहे हैं। संभल में 16वीं सदी की मस्जिद को लेकर विवाद को हवा देने की कोशिशों में न्यायिक मिलीभगत का भी हाथ था।

भारत-नाइजीरिया संबंधों में विस्तार की असीम संभावनाएं

- डॉ.पार्वती वासुदेवन व डॉ. ए वासुदेवन

नाइजीरिया ने अफ्रीकी देशों को कई तरह की मदद दी है जिसके कारण नाइजीरिया के आर्थिक प्रभुत्व पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इसकी अनुमानित आबादी 23.46 करोड़ है जो भारत की अनुमानित आबादी का लगभग 16 प्रतिशत और अमेरिकी आबादी का करीब 60 फीसदी से है। यह महाद्वीप की सबसे बड़ी आबादी है और यही कारण है कि नाइजीरिया को 'अफ्रीकी भीम' कहा जाता है।

नाइजीरिया संघीय गणराज्य के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनूबू के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 और 17 नवंबर को नाइजीरिया की यात्रा पर गए थे। 17 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस यात्रा ने नाइजीरिया के साथ भारत की 'रणनीतिक साझेदारी' को आगे बढ़ाया है। नाइजीरियाई अर्थव्यवस्था अफ्रीकी महाद्वीप में सबसे तेजी से बढ़ती और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

अगर 21वीं सदी वास्तव में वैश्विक दक्षिण से संबंधित है तो भारत और नाइजीरिया के बीच संबंधों को शैक्षिक छात्रवृत्ति, कच्चे तेल और सैन्य प्रशिक्षण के चश्मे से परे देखा जाना चाहिए। इन संबंधों में एक नया अध्याय तब शुरू हुआ जब 2023 में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 सम्मेलन ने उच्च तालिका में स्थायी स्थान के साथ अफ्रीकी प्रतिनिधित्व का स्वागत किया।

भारत और नाइजीरिया के पास मानव गतिविधियों के सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में एक-दूसरे को देने के लिए बहुत कुछ है। नाइजीरिया इस समय अफ्रीका में तीसरा सबसे बड़ा विनिर्माण क्षेत्र है जो और आगे बढ़ना चाहता है। अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से प्रगति हुई है।

उदाहरण के लिए डांगोट रिफाइनरियों के आगमन के कारण पेट्रोलियम वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए तैयार नाइजीरिया के साथ भारत और बाकी दुनिया के साथ इसके अंतरराष्ट्रीय संबंधों की प्रकृ ति अनिवार्य रूप से एकदम बदल जाएगी। यह कायापलट किसी सीमा तक उन विचारों द्वारा निर्देशित होगी जो अमेरिका में नए ट्रम्प प्रशासन की विशेषता होगी।

भारतीय नजरिए से देखें तो मध्य पूर्व में तनाव, यूक्रेन-रूस संघर्ष और अपनी विस्तारवादी नीतियों के साथ चीनी कूटनीति के अनिश्चित आयामों के कारण दुनिया की भू-राजनीति पर असर की वजह से अफ्रीकी महाद्वीप के साथ नए संबंधों बनाने के लिए भारत विवश हुआ है।

नाइजीरिया ने अफ्रीकी देशों को कई तरह की मदद दी है जिसके कारण नाइजीरिया के आर्थिक प्रभुत्व पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इसकी अनुमानित आबादी 23.46 करोड़ है जो भारत की अनुमानित आबादी का लगभग 16 प्रतिशत और अमेरिकी आबादी का करीब 60 फीसदी से है। यह महाद्वीप की सबसे बड़ी आबादी है और यही कारण है कि नाइजीरिया को 'अफ्रीकी भीमज कहा जाता है। देश में वैज्ञानिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के बहुत मौके हैं। इसके पास जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग कर कौशल, आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक सुधार, सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र आतंकवादी समूहों- मुख्य रूप से बोको हरम की हिंसा पर लगाम लगाने के अवसर हैं।

फिर भी नाइजीरिया की प्रगति में एक और बाधा का वहां का कमजोर राजनीतिक और आर्थिक शासन है जिसमें भ्रष्टाचार व्याप्त है। न्याय व्यवस्था भी अन्य संस्थानों की तरह शक्तिशाली अभिजात वर्ग की कैद में हैं। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि पिछले दस वर्षों में नाइजीरिया के आर्थिक संकेतकों में उच्च मुद्रास्फीति दर, कम वृद्धि और विदेशी मुद्रा भंडार के अपेक्षाकृत अल्प भंडार का बोलबाला है। इस वक्त वार्षिक मुद्रास्फीति 30 प्रति सैकड़ा से अधिक, वार्षिक वृद्धि लगभग 3 प्रश और विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर है। विदेशी मुद्रा बाजार दर 1660 नायरा प्रति 1 अमेरिकी डॉलर से अधिक की होने के कारण आर्थिकविविधीकरण और नाइजीरिया की उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल और इनपुट के आयात के लिए ज्यादा गुंजाइश नहीं देती है।

इसके बावजूद जैसा कि ईंधन सब्सिडी के उन्मूलन से स्पष्ट है कि वर्तमान प्रशासन यह उम्मीद दिलाता है कि प्रतिबद्धता हो तो विरोध के बाद भी सुधार किए जा सकते हैं। बैंकों के दबदबे वाला वित्तीय क्षेत्र पहले से बेहतर स्थिति में है। यह नई तकनीकों को अपना सकता है तथा साइबर धोखाधड़ी और हमलों को दूर करने के लिए निश्चित उपायों के साथ भुगतान के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

भारत ने पिछले 10 वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक रिकॉर्ड बनाया है और 2030 से पहले दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है। करीब 4 फीसदी दर के साथ मध्यम अवधि में मुद्रास्फीति के सालाना 7-8 प्रश की दर से बढ़ने की उम्मीद है। वर्तमान विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब है। नई प्रौद्योगिकियां बहुत विकसित हैं और मध्यम से दीर्घकालिक अवधि के भीतर पूरे आर्थिक स्थान पर कब्जा कर लेंगी। तो भी इस स्थिति पर पहुंचने में कच्चे माल और ऊर्जा आपूर्ति की कमी महत्वपूर्ण बाधा है।

इस पृष्ठभूमि पर प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत और नाइजीरिया के संबंधों को आगे बढ़ा रही है। यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि दोनों देशों को सुधारों व आर्थिक सुशासन की एक विस्तृत श्रृंखला पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्हें आर्थिक बहिष्कार को खत्म करने, रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाने तथा आर्थिक असमानताओं को कम करने में भी निवेश करना होगा।

दोनों देशों के बीच सहयोग कुछ मुद्दों पर आधारित है जिन्हें अबुजा में भारत और नाइजीरिया की सरकारों के प्रमुखों की बैठक में उठाया गया था। उनमें से मध्यम अवधि में ऊर्जा की आपूर्ति है। इसका मतलब यह है कि जब तक नाइजीरिया पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं हो जाता तब तक उसे भारत से पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर निर्भर रहना होगा जबकि भारत अपनी बढ़ती तेल मांग को पूरा करने के लिए कच्चे तेल का आयात कर सकता है।

दोनों देशों को चिप्स और सेमी-कंडक्टर के वर्चस्व वाले नए तकनीकी विश्व में विकास के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता का पता लगाने की आवश्यकता है। नाइजीरिया में मिले भूगर्भीय खोजों की जानकारी आसानी से उपलब्ध नहीं होती और यहीं भारत के सहयोग पर नाइजीरिया निर्भर रह सकता है।

नाइजीरिया में इस्पात और बसों, मेट्रो व इंटरसिटी रेलवे सहित सार्वजनिक परिवहन जैसे बुनियादी ढांचे वाले कुछ महत्वपूर्ण उद्योग ज्यादा सक्रिय तथा विकसित नहीं हैं। इन क्षेत्रों में श्रम सुधार, भ्रष्टाचार के रिसाव व लूटमार को जड़ से खत्म करने के लिए सख्त पेशेवर प्रतिबद्धता मजबूत करने की भी आवश्यकता है।=

इन क्षेत्रों में सहयोग संधि में कुछ गारंटी खंडों को प्रभावी कर भारत पर नाइजीरिया निर्भर हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि स्टील और सार्वजनिक परिवहन दोनों क्षेत्रों में नाइजीरिया का अनुभव काफी निराशाजनक रहा है। दोनों देशों के बीच साझेदारी में रक्षा, सैन्य हथियार और प्रशिक्षण से संबंधित मुद्दे प्रमुख रूप से बने हुए हैं। फिर भी, आपसी विश्वास के आधार पर सार्थक सहयोग में सुधार के लिए दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान को आगे बढ़ाना होगा।

पश्चिम शरीरा पुलिस ने किया पैदल गश्त,दिलाया सुरक्षा का भरोसा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। जिला में अपराध नियंत्रण एवं शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कप्तान बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपदीय पुलिस एक्टिव मोड में नजर आ रहीं हैं। आमजन की सुरक्षा के लिए अराजक तत्वों पर विशेष नजर रखी जा रहीं हैं। इसी क्रम में सोमवार की शाम थानाध्यक्ष पश्चिम शरीरा त्रिलोकीनाथ पांडेय ने थाना क्षेत्रांतर्गत शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुख्य मार्ग, चौराहा, बाजार व भीड़-भाड़ वाले इलाकों में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त किया, गश्त के दौरान उन्होंने आमजन व व्यापारियों से वार्ता कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों से पूछ-ताछ करते हुए आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग की गई।

20 लाख रंगदारी नहीं देने कालिंदीपुरम में घर पर हमला

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद की गैंग से जुड़े बदमाशों ने कालिंदीपुरम निवासी तौसीफ अहमद के घर हमला बोल दिया। आरोपियों ने 20 लाख रुपये रंगदारी नहीं होने पर खिड़की के शीशे तोड़ दिए। सूचना पर पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी भाग निकले। धूमनगंज थाने में नौ नामजद और एक दर्जन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी है।

कालिंदीपुरम निवासी तौसीफ अहमद ने बताया कि एक दिसंबर की शाम लगभग पौने छह बजे तीन गाड़ियों में सवार डेढ़ दर्जन से अधिक लोग आए। आरोपियों ने गालियां देते हुए चहारदीवारी का गेट खोला। तौसीफ ने भागकर घर का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने खिड़की की कांच क्षतिग्रस्त कर दी और दरवाजा भी तोड़ने का प्रयास किया। तौसीफ की सूचना पर पुलिस के आते देख सभी आरोपी भाग गए। तौसीफ अहमद ने बताया कि बीते 21 व 24 नवंबर को आरोपियों ने फोन कर 20 लाख रुपये रंगदारी देने की मांग की थी। रंगदारी नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी जीबू, साबू, फहद, आसिफ नेता, कम्मू, शानू, लुकमान उर्फ नाटे, गोरे के अलावा एक दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि रंगदारी मांगने और घर पर हमला करने की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास जारी है।

अन्तर्जनपदीय चोरी व लूट करने वाले गैंग का भण्डाफोड़,

पांच शातिर अभियुक्त पुलिस के हत्थे चढ़े

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नवाबगंज थाना व एसओजी, सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम ने अन्तर्जनपदीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। चोरी व लूट करने वाले पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे और निशानदेही पर चोरी की छह मोटर साइकिल, लूट की एक मोटर साइकिल, एक कटा हुआ मोटर साइकिल इंजन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार इसकी अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपए है। इसके अलावा लूटा गया एक एटीएम कार्ड, एक पैन कार्ड, दो मोबाइल फोन दस सिम कार्ड एवं एक अवैध तमंचा 315 बोर व दो कारतूस 315 बोर बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में अब्दुल सत्तार पुत्र फयाजुद्दीन निवासी ग्राम गदियानी थाना मऊआइमा, तबरेज आलम पुत्र अफसार अहमद निवासी राजापुर मलूहा थाना सोरांव, अंकित पटेल पुत्र पप्पू पटेल निवासी तक्खू का पूरा लकड़मण्डी नहर ददौली थाना सोरांव, मो0 साहिल पुत्र वकील अख्तर निवासी ग्राम गदियानी थाना मऊआइमा, उवैश पुत्र इलियास निवासी सोरांव रामलीला मैदान के पीछे, थाना सोरांव शामिल है। पुलिस टीम ने इनको थाना नवाबगंज क्षेत्र के हथिगवां बाजार के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार अभियुक्तियों का एक गैंग है। इसका सरगना तबरेज आलम पुत्र अफसार अहमद निवासी राजापुर मलूहा थाना सोरांव गिरोह वाराणसी - कानपुर हाइवे पर लूट व चोरी के अलावा नवाबगंज, फाफामऊ, थरवई, सोरांव, मऊआइमा थाना क्षेत्रों व आसपास के जनपदों में जाकर चोरी एवं लूट की घटना को अंजाम देते हैं। गैंग के सभी सदस्य जगह जगह बंटकर अपराध करते हैं।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में

व0उ0नि0 नीरज सिंह कुशवाहा, थाना नवाबगंज, उ0नि0 सुखचैन तिवारी, एस0ओ0जी0/सर्विलांस सेल प्रभारी गंगानगर,उ0नि0 भगवान बक्स सिंह, उ0नि0 शिव प्रसाद वर्मा, चौकी प्रभारी ब्रजेश कुमार तिवारी, उ0नि0 कुंवर गौरव सिंह, चौकी प्रभारी महिपाल यादव,उ0नि0 राहुल कुमार, चौकी प्रभारी श्रृंगवेरपुर मारुति नन्दन तिवारी,उ0नि0 राजकुमार, उ0नि0 मनीष पाण्डेय, थाना नवाबगंज, हे0का0 रबीश चन्द्र यादव, सर्विलांस सेल गंगानगर कमिश्नरेट प्रयागराज शामिल रहे।

'सबसे तेज प्रयागराज' का रियलिटी चेक: 'आल इज वेल'

दफ्तर में जनसुनवाई करते मिले डीएम, एसपी और एएसपी

हनुमान प्रसाद शुक्ल

कौशांबी। योगी सरकार के जनसुनवाई कर पीड़ित को न्याय दिलाने के महत्वाकांक्षी नीति का असर जिले में देखने को मिल रहा है। सोमवार को कौशांबी जनपद में 'सबसे तेज प्रयागराज' के रिपोर्टर की रियल्टी चेक में सब कुछ ओके मिला। अखबार की टीम सुबह ग्यारह बजे जिलाधिकारी के दफ्तर पहुंची। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी फरियादियों की समस्याएं सुनकर उनका निस्तारण करते दिखे। पुलिस अधीक्षक कौशांबी बृजेश कुमार श्रीवास्तव भी अपने दफ्तर में जनसुनवाई कर रहे थे।इस दौरान वे आए हुए फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण करने का निर्देश दे रहे थे। उधर, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह दफ्तर में बैठकर जनसुनवाई कर रहे थे। दूरदराज से आए फरियादियों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण पर जोर दिया गया। इस मौके पर सीओ सिराथू अवधेश कुमार विश्वकर्मा भी मौजूद रहे। टीम का अगला पड़ाव क्षेत्राधिकारी कौशांबी अभिषेक सिंह के दफ्तर रहा। यहां भी दफ्तर में सीओ जनसुनवाई करते दिखे।

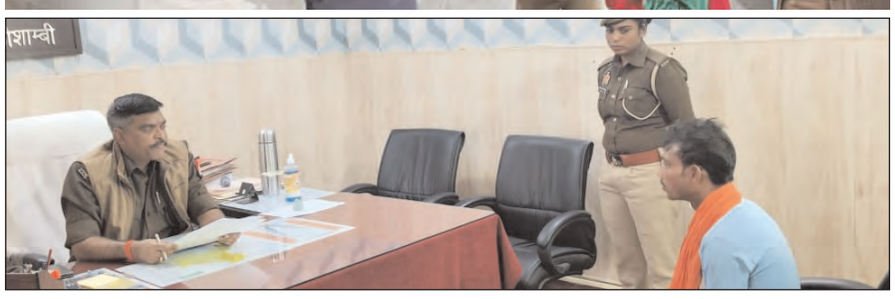

इंदौर में होगा विश्व एड्स दिवस का मुख्य कार्यक्रम, केन्द्रीय मंत्री नड्डा होंगे मुख्य अतिथि

इंदौर/ब्यूरो।

इंदौर के प्रतिष्ठित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय सभागार में विश्व एड्स दिवस 2024 का मुख्य कार्यक्रम होगा। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम की तैयारियों के साथ मध्य प्रदेश एचआईवी-एड्स के खिलाफ भारत के प्रयासों में केंद्रीय भूमिका निभाने को तैयार है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।यह जानकारी शुक्रवार को जनसम्पर्क अधिकारी महिपाल अजय ने दी। महिपाल अजय ने एक बयान में बताया कि यूएन एड्स की थीम, "टेक द राइट्स पाथ" के अनुरूप इस विश्व एड्स दिवस पर जागरुकता, उपचार के लिए अधिकार-आधारित दृष्टिकोण और एचआईवी-एड्स से प्रभावित लोगों के खिलाफ भेदभाव को खत्म करने पर जोर रहेगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), 1992 से प्रतिवर्ष एक दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मना रहा है। इस तरह के आयोजन समुदायों, युवाओं, लाभार्थियों और विभिन्न संगठनों को एक साथ लाकर 2030 तक एचआईवी/एड्स को समाप्त करने के वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए चुनौतियों का समाधान करने और प्रगति करने में सहयोग को बढ़ावा दे रहे हैं। कार्यक्रम में एक अभिनव प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा जिसमें नाको द्वारा अपनाए गए डिजिटल इको सिस्टम, सामुदायिक जुड़ाव, अभियान-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से हासिल की गई उपलब्धियां और लाभार्थियों द्वारा बनाई गई हस्त निर्मित वस्तुओं की विविधता जैसे कार्यक्रम से संबंधित प्रमुख घटकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा इस कार्यक्रम में नाको के थीम गीत को जारी किया जाएगा, जिसका लंबे समय से इंतजार है।

इसके मूल गायक देव नेगी, मोको कोजा और एम्सी द्वारा लाइव प्रदर्शन के माध्यम से इसे जीवंत जाएगा।

इसके अतिरिक्त लाभार्थियों की प्रेरणादायक कहानियां नाको की पहल के परिवर्तनकारी प्रभाव को प्रदर्शित करेंगी। साथ ही संगठन के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण संसाधनों का अनावरण भी किया जाएगा। यह कार्यक्रम नीति निमार्ताओं, सरकार, नागरिक समाज, समुदायों, युवाओं और विकास भागीदारों के प्रतिनिधियों सहित विविध हितधारकों को एक साथ लाएगा।

स्वास्थ्य सेवा में समानता को आगे बढ़ाने और महामारी के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने के प्रयासों में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम को देश भर में लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।-----

मांडा पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्त पकड़े

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद यादव के निर्देश पर मांडा पुलिस वांछित वारंटी की तलाश में चेकिंग के दौरान दो वारंटी को गिरफ्तार कर लिखा पड़ी करते हुए जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक मांडा शैलेन्द्र सिंह के निर्देश पर चौकी प्रभारी भारतगंज विनय कुमार सिंह अपने हमराहियों के साथ चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर दो वारण्टी मनोज कुशवाहा पुत्र चन्द्रशेखर कुशवाहा नि० दिधिया बाजार व वारण्टी अभियुक्त तौलन पुत्र छोटेलाल नि) फचकरा थाना माण्डा प्रयागराज को घर से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, बोले - हर हाल में समय से कार्य पूरा करें

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुंभ- 2025 में पर्यटन विकास के लिहाज से जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मादंड़ ने अलोपशंकरी देवी मंदिर एवं मनकामेश्वर मंदिर में कराए जा रहे सौंदर्यीकरण, सुदृढ़ीकरण व अन्य विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण करते हुए जायजा लिया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सोमवार को जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों के साथ वहां पर हो रहे कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से करने व फिनिशिंग पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया है। वहां पर कराए जा रहे कार्यों की प्रगति में तेजी लाने के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से पूर्ण किए जाने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कार्यों की नियमित जाँच कराते हुए गुणवत्ता को सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि काम की शिफ्ट व मैनपावर बढ़ाकर कार्य को निर्धारित समय में ही हर हाल में पूरा करें।

बोलेरो की टक्कर से स्कूटी सवार पूर्व प्रधान एवं उनकी पत्नी की मौत, नातिन घायल

औद्योगिक क्षेत्र के छरिबना गांव के पास हुई घटना, जा रहे थे दावत, परिजनों में मचा रहा कोहराम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र के छरिबना गांव के समीप सोमवार को एक बोलेरो की जोरदार टक्कर से पूर्व प्रधान रईस सहित उनकी पत्नी की मौत हो गई। जबकि मासूम नातिन गंभीर रूप से घायल हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मचा रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। वहीं घायल मासूम को इलाज के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के पुरवा खास निवासी रहईस अहमद (७३) पुत्र स्वर्गीय जब्बार अहमद बीते १९८८ से लेकर १९९५ तक वह उक्त ग्राम सभा के प्रधान रह चुके थे। साथ ही आईटीआई कंपनी से रिटायर्ड कर्मचारी थे और वह समाजसेवी का कार्य भी करते थे। रईस अहमद के तीन लड़के और चार लड़कियां हैं। सोमवार दोपहर बाद लगभग पौने तीन बजे वह अपनी पत्नी अंजुमन बानो (६५) और नातिन ईलमा (६) पुत्री मुशीर खान को साथ लेकर स्कूटी द्वारा संडवा कला स्थित अपने रिश्तेदार के यहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। जैसे ही वह औद्योगिक क्षेत्र के छरिबना ग्राम सभा के अंतर्गत ओवरब्रिज ब्रिज के निकट सड़क से गुजर रहे थे। तभी एक बेकाबू बोलेरो ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे तीनों वाहन समेत काफी दूर तक सड़क पर घसीटते हुए गिर पड़े। वहीं चालक बोलेरो को लेकर बड़ी तेज स्पीड के साथ आगे की ओर फरार हो गया। राहगीरों के साथ ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल भेजने के लिए प्रयास करने लगे, लेकिन तब तक रहईस अहमद और उनकी पत्नी अंजुमन बानो की मौत हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल नातिन ईलमा को इलाज के लिए पहले करछना सीएससी लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे इलाज के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया। वहीं मौके पर पहुंचे परिजनों ने जब दोनों शवों को देखा तो कोहराम मच गया और मृतक घर और औद्योगिक क्षेत्र थाने में लोगों की भारी भीड़ जुटी रही। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद मृतक पति और पत्नी के शवों को को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। जबकि फरार हुए वहान की तलाश में दुर्घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच पड़ताल की गई। मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्र थाने में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई करने में जुटी रही।

आईजी पीएसी ने बाढ़ राहत दल घाटों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुंभ को सकुशल एवं निर्विघ्न संपन्न कराने के उद्देश्य से 4वीं वाहिनी एवं 42वीं वाहिनी के पीएसी के बाढ़ राहत दलों ने संगम घाट और विकसित किए जा रहे विभिन्न स्नान घाटों की भौगोलिक स्थिति से भिज्ञ होने हेतु निरीक्षण किया गया। साथ ही आकस्मिकता से निपटने के लिए पूर्वाभ्यास भी किया गया। इस अभ्यास में प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक, पूर्वी जोन, प्रयागराज डॉ. राजीव नारायण मिश्र, दलनायक बाढ़ राहत दल 4वीं वाहिनी पीएसी श्री रवीन्द्र प्रसाद, दलनायक 42वीं वाहिनी श्री मिथिलेश राय? एवं उनकी टीम के सदस्य शामिल हुए।

शर्मनाक : नशे में धुत युवती ने बर्थडे पार्टी में किया नग्न डांस,

शर्मसार हुए परिजन, आयी थी दिल्ली से

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मऊआइमा इलाके के एक गांव में शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। जन्मदिन की पार्टी में एक युवती ने नशे में धुत होकर जमकर नग्न नृत्य किया। नशे का सुरूर ऐसा चढ़ा की उसने अपने कपड़े उतार कर फेंक दिए। पार्टी में नग्न डांस देखकर दिल्ली से आए तमाम रिश्तेदार और परिवार के लोग शर्मसार हो गए। महिलाओं ने किसी तरह उसको काबू में करने के बाद शरीर को ढंका। युवती का यह डांस इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। परिजन सुबह होने से पहले ही लड़की को लेकर दिल्ली चले गए।बर्थडे पार्टी में रिश्तेदारों के साथ दिल्ली से भी अन्य रिश्तेदार आए हुए थे। दिल्ली से आयी युवती ने शराब पी कर नंगा डांस करने लगी। इससे परिजन लज्जित हो गए। सुबह उसे लेकर दिल्ली चले गए। युवती की इन हरकतों को लेकर चर्चा बना हुआ है। मऊआइमा क्षेत्र में एक बच्चे का बर्थडे था। बताया गया है कि तमाम रिश्तेदारों को निमंत्रण भेजा गया था। दिल्ली से भी रिश्तेदार आए हुए थे। शाम को पार्टी शुरू होने पर एक युवती शराब पीकर डांस करने लगी।

एफटीआर फाउंडेशन ने यातायात सड़क सुरक्षा,साइबर अपराध व नागरिक सुरक्षा संबंधित जागरूक कार्यक्रम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज

धूमनगंज संबंधित क्षेत्र के राज गार्डन में सड़क सुरक्षा,साइबर अपराध एवं नागरिक सुरक्षा संबंधित एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कराया गया कार्यक्रम का उद्देश्य प्रयागराज को नागरिक सुरक्षा व साइबर अपराध से बचाव एवं सड़क सुरक्षा के नियम के प्रति जागरूक करने का थो` कार्यक्रम में प्रयागराज यातायात पुलिस के इंस्पेक्टर पवन पांडेय द्वारा सड़क सुरक्षा के बारे में लोगों को जागरुक करते हुए उनसे सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के नारे भी लगवाए` उन्होंने कहा तीन सवारी पब्लिक ने कहा नहीं चलेगी नहीं चलेगीं फिर उन्होंने कहा हेलमेट बहुत जरूरी है लोगों ने कहा ना समझो मजबूरी है` फिर उन्होंने कहा घायल को अस्पताल पहुंचना है लोगों ने कहा वीडियो बाद में बनाना हैं फिर उन्होंने कहा मोबाइल से खतरा कब कब पब्लिक ने कहा हाथ में हो गाड़ी जब जबे अंत में इंस्पेक्टर यातायात पवन पाण्डेय ने यहीं विराम देते हुए जय हिंद वंदे मातरम का नारा एक साथ लगाते हुए अपनी बातों को खत्म किया`

तो वहीं साइबर क्राइम ऑफिसर जयप्रकाश सिंह एवं प्रमोद कुमार यादव द्वारा कार्यक्रम में आई भीड़ को संबोधन करते हुए साइबर क्राइम संबंधित बचाव के लिए जागरुक करते हुए कहा कि आजकल अंनोन्न नंबरों से कॉल आती है और आपको शॉपिंग के नाम पर क्रेडिट कार्ड के नाम पर लॉटरी के नाम पर मोहित करने का कार्य किया जाता है और आप आसानी से उनकी बात में आकर ओटीपी शेयर कर देते हैं और आपके खातों से सारे पैसे निकाल लिए जाते हैं इसलिए ओटीपी नहीं शेयर करना है, अननोन लोगों से अपनी पर्सनल अकाउंट या पर्सनल कोई भी जानकारी नहीं शेयर करना है, और यदि कोई आपको व्हाट्सएप के जरिए आपके किसी रिलेटिव्स की फेसबुक या व्हाट्सएप पर डीपी लगाकर कुछ भी पैसे की डिमांड कर रहा है तो सबसे पहले अपने रिलेटिव्स से बात करें कि यह नंबर आपका है या नहीं है उसके बाद आगे स्वयं डिसीजन ले बेहतरीन तरीके से उन्होंने भीड़ को जागरुक करते हुए साइबर क्राइम के प्रति अपनी बातों को जय हिंद के साथ समाप्त किया`

इसी क्रम कार्यक्रम में मौजूद प्रयागराज साइबर क्राइम प्रभारी राजीव तिवारी अपनी टीम के साथ मौजूद रहे और संबोधन करते हुए उन्होंने एटीएम क्लोन एवं ओटीपी,चेक क्लोन संबंधी जानकारी देते हुए भीड़ को साइबर क्राइम बचाओ से संबोधित किया`

कार्यक्रम में आए मुख्य अतिथि सेवा से रिटायर्ड मेजर क शुक्ला द्वारा कार्यक्रम का संबोधन करते हुए अपने संघर्षों और आज के युवाओं को प्रेरित करते हुए बताया कि किस तरीके से उनके हाई स्कूल में नंबर बेहद कम आए थे मगर उन्होंने आगे मेहनत और लगन से पढ़ाई चालू रखी और डिमोटिवेट नहीं हुए इसके बाद वह एक अधिकारी के पद पर जाकर बैठ आज भी इस उम्र में भी मैं ओम साइंस सिक्योरिटी सर्विसेज के नाम से अपनी स्वयं की कंपनी चल रहा हूं जिसे मैं मुख्य निदेशक हूं और कई हजार सिक्योरिटी गार्ड मेरी सरकारी और गैर सरकारी जगह पर लगी हुई है और इस उम्र में भी मैं आत्मनिर्भर हूं और 100 50 हजार लोगों के परिवार के पालन का एक जरिया हूं एक रिटायर्ड मेजर सब की इन बातों से युवा बेहद प्रेरित हुए और तालिया की गड़गड़ाहट से मंच गूंज उठा` कार्यक्रम में सिविल डिफेंस डिविजनल ऑफीसर एवं प्रयाग होटल्स ग्रुप के एमडी रौनक गुप्ता ने भीड़ को संबोधन करते हुए आम नागरिक की सुरक्षा के प्रति जागरुक करते हुए साइबर क्राइम को भी लेकर हम बात करते हुए उन्होंने बताया की किस तरीके से हमारे प्रयागराज के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के पुत्र की व्हाट्सएप पर डीपी लगाकर उनके साथ दो करोड रुपए का फर्जी वाला कर दिया गया इसलिए सतर्क रहने की हर वक्त जरूरत है और खास तौर पर सोशल मीडिया के जमाने में फेक चीज ज्यादा चल रही है और जिसका फायदा जाल साज लोग आसानी उठा लेते हैं इसी क्रम में एफटीआर के मंडल संरक्षक एवं डिप्टी एसपी कमांडेंट सीआरपीएफ पूर्व हसीन अहमद ने भीड़ का संबोधन करते हुए कहा कि बहुत खुशी व हर्ष का विषय है कि इस मंच पर इतनी बड़ी-बड़ी हस्तियां मौजूद हैं जिनका मकसद सिर्फ प्रयागराज और देश मे जागरूकता फैलाना है इसी क्रम में सीआरपीएफ के रूल्स और रेगुलेशन के बारे में भी चर्चा की साथ ही एफटीआर फाउंडेशन के चेयरमैन नूर मोहम्मद खान ने भीड़ का संबोधन करते हुए कहा कि साइबर क्राइम और यातायात सड़क सुरक्षा के नियम का पालन करना अति आवश्यक है सड़क सुरक्षा का पालन न करने और पुलिस के द्वारा रोकने पर लोग अपनी धौंस जमाना शुरू कर देते हैं यह गलत है पावर और सोर्स किसी को न्याय दिलाने और अच्छे काम करने के लिए होते हैं जो लोग पावर में रहकर पावर का मिसयूज करते हैं वह पावर से हटाने के बाद किसी लायक नहीं रहते मगर जो लोग पावर में रहकर समाज का भला और लोगों का सहयोग करते हैं वह लोग पावर में जब नहीं भी रहते तब भी पावर में रहते हैं साथ ही नूर मोहम्मद खान ने कहा कि जो लोग मंच में बैठे हैं और जो लोग सामने नीचे बैठे हुए हैं कुर्सियों पर उन्हें अक्सर ऐसा लगता होगा कि ऊंचे मंच पर जो लोग बैठे हैं वह उनसे कहीं ज्यादा बड़े और काबिल हैं मगर ऐसा नहीं है आज जो लोग मंच में बैठे हैं कल वह लोग रिटायर्ड होते हैं और फिर जो लोग सामने कुर्सी में बैठे रहते हैं वह लोग मंच में बैठते हैं और यहां जो मंच पर बैठने वाले लोग हैं वह सामने कुर्सी पर बैठकर आपकी बातों को सुनते हैं जीवन चक्र है समय बदलता है हालात बदलते हैं और तकदीर में बदल जाती हैं इसलिए इन बातों को कभी भी ना सोचे कहते हुए नूर मोहम्मद खान ने अपनी बातों को समाप्त किया` कार्यक्रम के अंत में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सबसे पहले एफटीआर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत आए हुए रिटायर्ड मेजर क शुक्ला को एफटीआर की तरफ से सम्मानित किया गया वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में आए सिविल डिफेंस डिविजनल ऑफीसर और प्रयाग ग्रुप होटल का ग्रुप के एचडी रौनक गुप्ता को एफटीआर की तरफ से सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मंडल संरक्षक एवं डिप्टी एसपी सीआरपीएफ पूर्व हसीन अहमद को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में यातायात पुलिस इंस्पेक्टर पवन पांडे को भी सम्मानित किया गया कार्यक्रम में साइबर जागरूकता हेतु आए जयप्रकाश एवं प्रमोद कुमार सिंह को भी एफटीआर की तरफ से सम्मानित किया गया क्रम में साइबर क्राइम थाना प्रभारी पुलिस लाइन प्रयागराज राजीव तिवारी व उनकी टीम को भी एफटीआर की ओर से सम्मानित किया गया। एफटीआर फाउंडेशन द्वारा कार्यक्रम के बाद आए एफटीआर टीम और सहयोगी साथियों को भी सम्मानित किया।

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुने गए सिफान हसन और लेत्साइल टेबोगो

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपिक चैंपियन सिफान हसन और लेत्साइल टेबोगो को क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया गया है। इन दोनों को मोनाको में आयोजित विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार समारोह 2024 में प्रशंसकों द्वारा वोट के बाद रात शीर्ष सम्मान प्राप्त हुआ। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, एथलेटिक्स के लिए शानदार साल के अंत में, हम अपने विश्व एथलीट्स ऑफ द ईयर की सूची का खुलासा करते हुए बहुत खुश हैं - एथलीटों का यह समूह हमारे खेल का सबसे बेहतरीन प्रतिनिधित्व करता है और इस साल इसने एथलेटिक प्रदर्शन के मामले में जो संभव है उसे फिर से परिभाषित किया है। हमारे 2024 के दल ने ऊंचाई, गति और दूरी के मामले में नए मानक स्थापित किए हैं, जिसमें छह विश्व रिकॉर्ड और उनके बीच कई ओलंपिक और राष्ट्रीय रिकॉर्ड शामिल हैं। मैं अपने सभी पुरस्कार विजेताओं और इन सम्मानों के लिए नामांकित सभी एथलीटों को बधाई देता हूं, और मैं उन्हें इस वर्ष अपने प्रदर्शन से हम सभी को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद देता हूं।

ओगिवारा, ब्रूक्स ने एफआईएस स्नोबोर्ड बिग एयर विश्व कप खिताब जीता

बीजिंग। जापान के किशोर स्कीयर हिरोतो ओगिवारा और ब्रिटेन की मिया ब्रूक्स ने बीजिंग में एफआईएस विश्व कप में क्रमशः पुरुष और महिला स्नोबोर्ड बिग एयर खिताब जीते। 19 वर्षीय ओगिवारा ने 169.50 अंकों के साथ जीत हासिल की, जो इटली के उपविजेता इयान मैटेओली से चार अंक आगे थे, जबकि चीन के यांग वेनलोंग तीसरे स्थान पर रहे और विश्व कप में पहली बार पोडियम पर पहुंचे। मैटेओली ने पहली दौड़ में पूरे 2160 चक्कर पूरे करके दर्शकों को चकित कर दिया और प्रभावशाली 97.75 अंक हासिल किए। हालांकि, इतालवी खिलाड़ी अंतिम दो रनों में गति बनाए रखने में विफल रहे और अंत में दूसरे स्थान पर रहे। 25 वर्षीय यांग, जिन्होंने शनिवार को पुरुषों की क्वालीफिकेशन हीट 1 में पहला स्थान हासिल किया, घर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके प्रसन्न थे। उन्होंने सिन्हुआ से कहा, मैंने हर रन में स्थिर रहने की कोशिश की और प्रत्येक चाल पर ध्यान केंद्रित किया। मुझे अभी भी कड़ी मेहनत करने और अगले साल एशियाई शीतकालीन खेलों और 2026 शीतकालीन ओलंपिक के लिए तैयारी करने की आवश्यकता है। बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक चैंपियन चीन के सु यिमिंग फाइनल में अंतिम स्थान पर रहे। महिलाओं की स्नोबोर्ड बिग एयर में 17 वर्षीय ब्रूक्स 179.75 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं, उसके बाद जापान की मारी फुकदा और ऑस्ट्रियाई अनुभवी अन्ना गैसर दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

आईएसयू स्पीड स्केटिंग विश्व कपः स्टोल्ज़ ने जीता चार स्वर्ण पदक

बीजिंग। अमेरिकी प्रतिभाशाली जॉर्डन स्टोल्ज़ ने यहां नेशनल स्पीड स्केटिंग ओवल में संपन्न आईएसयू स्पीड स्केटिंग विश्व कप में चार व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। पहले दो प्रतियोगिता दिनों में पुरुषों की 500 मीटर, 1,000 मीटर और 1,500 मीटर प्रतियोगिताओं के बाद तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले स्टोल्ज़ ने दूसरी 500 मीटर दौड़ में 34.39 सेकंड का समय लेकर आइस रिबन में अपना चौथा स्वर्ण जीता। पहली दौड़ में दूसरे स्थान पर रहे नीदरलैंड के जेनिंग डी बू ने 0.08 सेकंड पीछे रहकर एक और रजत पदक अपने नाम किया, जबकि दक्षिण कोरिया के किम जुन-हो 34.67 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। 20 वर्षीय स्टोल्ज़ ने सिन्हुआ से कहा, मैं यह जीत हासिल करके और पहले दो विश्व कप में जीत का सिलसिला जारी रखकर बहुत खुश हूँ। उन्होंने पिछले सप्ताहांत जापान के नागानो में सीज़न-ओपनिंग विश्व कप में चार स्वर्ण पदक भी जीते थे। रविवार की जीत ने पिछले सीज़न से लेकर अब तक लगातार 12 विश्व कप जीत के उनके रिकॉर्ड को आगे बढ़ाया और अमेरिकी खिलाड़ी अभी भी और जीत की तलाश में है। उन्होंने कहा, मैं थोड़ा और तेज़ होता जाऊँगा, उम्मीद है कि अगले कुछ विश्व कप में मैं और जीतने की कोशिश कर सकूँगा। लेकिन अगर मैं एक या दो हार जाता हूँ, तो कोई बात नहीं।

मेलबर्न रेनेगेड्स ने जीता डब्ल्यूबीबीएल 2024 का खिताब

मेलबर्न। मेलबर्न रेनेगेड्स ने महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2024 संस्करण का खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स ने ब्रिस्बेन हीट को 7 रनों से हरा दिया। बारिश से प्रभावित इस मैच में ब्रिस्बेन हीट को 12 ओवरों में 98 रनों का लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम 12 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 90 रन ही बना सकी और 7 रन से मुकाबला हार गई। मेलबर्न रेनेगेड्स ने पहली बार महिला बिग बैश लीग की ट्रॉफी अपने नाम की है। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए फाइनल मुकाबले में ब्रिस्बेन हीट की कप्तान जेस जोनासेन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। इसके बाद मेलबर्न रेनेगेड्स ने बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 141 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन सलामी बल्लेबाज हैली मैथ्यूज ने बनाए। उन्होंने 8 चौकों की मदद से 61 गेंदों में 69 रन बनाए। जॉर्जिया वेयरहैम ने 21 रन और नाओमी स्टालेनबर्ग ने 16 रन की पारी खेली।

पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने जीता सैयद मोदी बैडमिंटन का खिताब

एजेंसी

लखनऊ। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने से चूके लक्ष्य सेन ने यहां सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में क्रमशः महिला एवं पुरुष एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो लाख दस हजार अमेरिकी डालर की इनामी राशि वाली चैंपियनशिप में पीवी सिंधु ने तीसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं लक्ष्य सेन पहली बार चैंपियन बने। दूसरी वरीय भारत की त्रिशा जॉली व गायत्री गोपीचंद पुलेला ने मोदी बैडमिंटन में महिला युगल का पहला भारतीय चैंपियन होने का गौरव हासिल किया। महिला एकल में शीर्ष वरीय भारत की पीवी सिंधु ने चीन की वू लुओ यू को 47 मिनट चले मैच में 21-14, 21-16 से हराया। विश्व चैंपियन व ओलंपिक रजत व कांस्य पदक विजेता पीवी सिंधु ने

पहले गेम में तेजी दिखाते हुए ब्रेक तक 11-9 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद चीनी खिलाड़ी पांच अंक ही जुटा सकी और पीवी सिंधु ने गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में विश्व रैंकिंग में 18वीं वरीय पीवी सिंध ने शुरुआत तेज की लेकिन चीनी खिलाड़ी ने 5-5 अंक से बराबरी की। फिर सिंधु ब्रेक में 10-11 से पिछड़ गयी थी। उन्होंने बराबरी करने के बाद बढ़त बनाई। फिर उम्दा स्मैश

व ड्राप शॉट के कांबीनेशन के सहारे सिंधु ने दूसरा गेम अपने नाम कर लिया। इससे पहले पीवी सिंधु 2022 में सिंगापुर ओपन में चैंपियन बनी थी। पीवी सिंधु मोदी बैडमिंटन में 2017 और 2022 में विजेता रही थी। पुरुष एकल में शीर्ष वरीय भारत के लक्ष्य सेन ने 31 मिनट चले मैच में चौथी वरीय सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को 21-6, 21-7 से हराया। लक्ष्य ने पहले गेम में शुरू से ही प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा और दूसरा गेम भी प्रतिद्वंद्वी को हावी होने का मौका दिए बिना अपने नाम कर लिया। पहली बार मोदी बैडमिंटन के चैंपियन बने लक्ष्य ने इससे पूर्व 2023 में कनाडा ओपन में विजेता ट्रॉफी अपने नाम की थी। महिला युगल में दूसरी वरीय भारत की त्रिशा जॉली व गायत्री गोपीचंद पुलेला ने चीन की बाओ ली जिंग व ली कियान को 41 मिनट चले मैच में 21-18, 21-11 से हराया। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम कुछ संघर्ष के बाद जीता। दूसरे गेम में त्रिशा व गायत्री ने शुरू से ही अंक जुटाने शुरू किए और ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी ने 20-9 के स्कोर पर गेम प्वाइंट बनाया लेकिन चीनी जोड़ी ने दो अंक जुटा लिए।

पीसीबी, बीसीसीआई भविष्य के टूर्नामेंटों में हाइब्रिड मॉडल पर सहमत: पाकिस्तान मीडिया

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भविष्य में आईसीसी टूर्नामेंटों के हाइब्रिड मॉडल पर खेलने के लिए सहमत हो गए हैं और इसी के साथ अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है। पाकिस्तान की मीडिया ने जारी रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि एक दिन पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अगले वर्ष 19 फरवरी से नौ मार्च तक होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर बुलाई गई बैठक में हाइब्रिड मॉडल पर आम सहमति बनी। पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस बात पर जोर दिया है कि वह अगले तीन वर्षों में सीमा के दूसरी ओर आयोजित होने वाले टूर्नामेंटों में भी अपनी टीम के लिए इसी हाइब्रिड मॉडल को लागू करना चाहेगा। पीसीबी ने इस तरह के मॉडल पर सहमति जताई है, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह भी संकेत दिया है कि भविष्य में उससे किसी भी तरह के 'एहसान' की उम्मीद न करे।रिपोर्ट में कहा है कि पीसीबी आईसीसी को इस बात की पक्की गारंटी चाहता है कि भविष्य में भी इस हाइब्रिड मॉडल को अक्षरशः लागू किया जाएगा और कोई भी पाकिस्तानी टीम आईसीसी स्पर्धा के किसी भी मैच को खेलने के लिए भारत नहीं जाएगी और इसी तर्ज पर भारतीय टीम भी पाकिस्तान नहीं आएगी पीसीबी के एक सूत्र ने डॉन को बताया कि आईसीसी ने दोनों क्रिकेट बोर्ड से आपसी समझ के आधार पर फैसला करने को कहा है।

हॉकी इंडिया ने जूनियर एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा की

एजेंसी

फ्लोरिडा (यूएसए)। हॉकी इंडिया ने ओमान के मस्कट में सात से 15 दिसंबर तक होने वाली महिला जूनियर एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। इस टूर्नामेंट में शामिल होने वाली 10 टीमों को दो पूल में बांटा गया है। भारत को पूल ए में चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग चीन और श्रीलंका शामिल हैं। भारतीय जूनियर महिला टीम की अगुवाई ज्योति सिंह करेंगी। साक्षी राणा उप-कप्तान बनाया गया। गोलकीपर निधि और अदिति माहेश्वरी गोल में मजबूत उपस्थिति प्रदान करेंगी। रक्षापंक्ति में मनीषा, ज्योति सिंह, लालथंतलुंगी, पूजा साहू और ममता ओरम शामिल होंगी। मिडफील्ड में वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनीलिता टोप्पो, इशिका, रजनी केरकेट्टा, साक्षी राणा और खैदेम शिलेमा चानू जैसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। फॉरवर्ड दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग, कनिका सिवाच, मुमताज खान और

लालरिनपुई पर निर्भर करेगा। वहीं बिनिमा धन और हिमांशी शरद गवांडे को वैकल्पिक खिलाड़ियों के रूप में चुना गया है। टीम के चयन पर कोच तुषार खांडेकर ने कहा, हम महिला जूनियर एशिया कप में अपने खिताब के बचाव लिए उत्साहित हैं। यह एक बेहतर टीम है जिसमे अनुभव और युवा प्रतिभा का बेहतरीन संतुलन है। हमारे कई खिलाड़ी पहले ही सीनियर स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन कर चुके हैं उनकी मौजूदगी टीम का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण होगी। हमारा ध्यान आक्रामक, अनुशासित खेल और मैच दर मैच आगे बढ़ने पर है। हमें अपनी तैयारी पर पूरा भरोसा है और हमारा मानना है कि इस टीम में खिताब बचाने और देश को फिर से गौरवान्वित करने की क्षमता है। भारतीय टीम अपना शुरुआती मुकाबला आठ दिसंबर को बंगलादेश के खिलाफ खेलेगी।

भारत ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश को छह विकेट से हराया

एजेंसी

कैनबरा। हर्षित राणा के (चार विकेट) के बाद शुभमन गिल (रिटायर्ड नाबाद 50), यशस्वी जायसवाल (45), नीतीश कुमार रेड्डी (42) रनों की शानदार पारियों की बदौलत भारत ने मनुका ओवल में गुलाबी से खेले गये अभ्यास मैच में आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश को छह विकेट से हरा दिया। 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की। इसी दौरान केएल राहुल (नाबाद 27) रन पर रिटायर्ड हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये शुभमन गिल ने जायसवाल के साथ पारी को संभाला। 17वें ओवर में चार्ली एंडरसन ने यशस्वी जायसवाल (45) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर विफल रहे और तीन रन बनाकर आउट हुये। शुभमन गिल (नाबाद 50) रन बनाकर रिटायर्ड हुये। नीतीश कुमार रेड्डी ने (42) रनों की पारी खेली। रवींद्र जाडेजा (27) और सरफराज खान (एक) रन बनाकर आउट हुये। वॉशिंगटन सुंदर (37) रन बनाकर और देवदत्त पड़िक्कल (तीन) रन बनाकर नाबाद

रहे। भारत ने 46 ओवर में पांच विकेटपर 256 रन बनाये। भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से जीता। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश की ओर से चार्ली एंडरसन ने दो विकेट लिये। लॉयड पोप, मैट रेनशॉ और जैक क्लेटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज भारतीय टीम ने आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। मोहम्मद सिराज ने भारत को पहली सफलता मैट रेनेशॉ को आउट कर दिलाई। इस दौरन बीच में बारिश के कारण कुछ देर खेल रूका रहा। दोबारा खेल शुरु होने पर आकाश दीप ने जेडन गुडबिन (चार) को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट करवाया। इसके बाद जैक क्लेटन ने सैम कॉन्स्टास के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 109 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में हर्षित राणा ने एक ओवर में ऑस्ट्रेलिया को दो झटके दिये। हर्षित ने पहले जैक क्लेटन (40) को बोल्ड आउट किया उसके बाद ऑलिवर डेविस (शून्य) बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान जेक एडवर्ड्स (एक)और सैम हार्पर (शून्य) भी हर्षित का शिकार बने। हैनो जेकब्स (60) को वॉशिंगटन सुंदर ने आउट किया।

पाकिस्तान ने टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 57 रनों से हराया

एजेंसी

बुलावायो। उस्मान खान (39) और तय्यब ताहिर (नाबाद 39) रनों की शानदार पारियों के बाद सुफियान मकीक तथा अबरार अहमद (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने पहले टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 57 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ पाकिस्ता ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 166 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही और उसने 18 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। ब्रायन बेनेट (छह), डिओन मेयर्स (छह)रन बनाकर आउट हुये। तड़िवनाशे मारुमानी ने (33) रनों की पारी खेली। कप्तान सिकंदर रजा ने 28

गेंदों में (39) रन बनाये। जिम्बाब्वे के नौ खिलाड़ी दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। पाकिस्तानी गेंदबाजों के आगे जिम्बाब्वे की पूरी टीम 15.3 ओवर में 108 पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से सुफियान मकीक तथा अबरार अहमद ने तीन-तीन विकेट लिये। हारिस रउफ ने दो और जहानदाद खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 165 रनों का स्कोर खड़ा किया। ओमैर यूसुफ (16), सईम अयूब(24),उस्मान खान (39) और कप्तान आगा सलमान (13) रन बनाकर आउट हुये। तय्यब ताहिर (39) और इरफान खान (27)रन बनाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे की ओर से रिचर्ड एन्गरावा, सिकंदर रजा, वेलिंग्टन मसकाट्जा और रायन बर्ल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों को पहले ग्रुप मुकाबले में मिली हार

एजेंसी

चेंग्दू । भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों की टीम को आईटीटीएफ मिक्स्ड टीम विश्वकप 2024 टेबल टेनिस टूर्नामेंट के पहले चरण के शुरुआती मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। आज यहां चीन के चेंग्दू में भारत की स्नेहित सुरवज्जुला और पोयमंती बैस्या की टीम को अमेरिका के नरेश नंदन और के टिफनी की जोड़ी 2-1 (12-10, 11-8, 4-11) से हार गई। वहीं एक अन्य मुकाबले में यशस्विनी घोरपड़े और जीत चंद्रा भी क्रमशः सैली मोयलैंड और जियांगजिंग झांग के खिलाफ समान 2-1 के अंतर से अपने एकल मैच हार गए। घोरपड़े को मोयलैंड ने 11-9, 11-8, 7-11 से हराया। वहीं चंद्रा को पुरुष एकल में झांग के खिलाफ 11-9, 11-9, 7-11 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों के लिये आज निराशाजनक दिन रहा। पुरुष युगल

मुकाबले में स्नेहित सुरवज्जुला और जीत चंद्रा की जोड़ी 2-0 (11-9, 11-9) से हार गई।

नवीन ने दबंग दिल्ली केसी को अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचाया

एजेंसी

नोएडा। दबंग दिल्ली केसी और तमिल थलाइवाज के बीच नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 87वें मैच में मामला फंसा हुआ था। अंतिम छह मिनट तक दोनों टीमें बराबरी पर चल रही थीं और विजेता की तस्वीर नहीं दिख रही थी लेकिन फिर नवीन कुमार ने चार अंक की रेड के साथ मैच की तस्वीर बदल दिल्ली को जीत दिलाने वाली बढ़त दिला दी।दिल्ली ने इस रोमांचक मैच में 32-21 के अंतर से जीत हासिल करते हुए अंक तालिका में छह स्थान की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दिल्ली की टीम लगातार पांच मैचों से अजेय है। उसके लिए नवीन ने 11 अंक लिए जबकि आशू ने पांच और डिफेंस से योगेश ने चार अंक लिए। थलाइवाज के लिए मोइन शफागी (8) ही चमक दिखा सके। थलाइवाज ने शुरुआती तीन मिनट में ही दिल्ली के दोनों रेडरों-

आशू और नवीन को बाहर कर अपनी टीम को 4-2 की लीड दिला दी। इसके बाद हालांकि योगेश ने डू ओर डाई रेड पर विशाल को लपक स्कोर 3-4 कर दिया और फिर बस्तामी ने डू ओर डाई आशू को लपक स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अगले दो मिनट में भी दोनों टीमों के बीच बराबरी का मुकाबला चला। स्कोर 6-6 था लेकिन नवीन ने आशीष का शिकार कर 10 मिनट की समाप्ति तक दिल्ली को 7-6 से आगे कर दिया। ब्रेक के बाद भी दोनो टीमों के बीच जोरदार मुकाबला चला। 14वें मिनट तक स्कोर 9-9 था लेकिन इसके बाद थलाइवाज ने 11-9 की लीड ले ली।फिर शफागी ने नवीन को लपक दिल्ली को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। दिल्ली ने इसका लाभ लिया। गौरव ने डू ओर डाई रेड पर शफागी को लपक स्कोर 11-12 कर दिया। फिर मोहित ने डू ओर डाई रेड पर सचिन का शिकार कर हाफटाइम तक स्कोर 12-12 कर दिया। हाफटाइम के बाद भी दोनों टीमों के बीच रस्साकसी जारी रही और चार मिनट बीतने के बाद भी स्कोर 13-13 से बराबर था। दोनो टीमें डू ओर डाई रेड पर खेल रही थीं। इसी बीच नितेश ने इसी तरह की एक रेड पर आशीष को लपका और फिर सचिन ने डू ओर डाई रेड पर आशीष का शिकार कर 15-13 के स्कोर पर दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। दिल्ली ने फिर इसका लाभ लिया। योगेश ने डू ओर डाई रेड पर सचिन को सुपर टैकल कर दिल्ली को 16-15 से आगे कर दिया। फिर नवीन ने डू ओर डाई रेड पर रौनक को आउट कर दिल्ली को दो अंक की बढ़त दिला दी। इसके बाद नवीन ने चार अंक की रेड के साथ मैच की तस्वीर बदल दी। दिल्ली 22-16 से आगे थे और थलाइवाज आलआउट की कगार पर। नवीन ने सुपर-10 पूरा कर लिया था। फिर दिल्ली ने थलाइवाज को आलआउट कर 25-17 की बढ़त ले ली। आलइन के बाद दिल्ली ने जल्द ही अपनी बढ़त 11 की कर ली।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: कर्नाटक ने तमिलनाडु को सात विकेट से हराया

एजेंसी

इंदौर। वासुकी कौशिक और मनोज भंडागे (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद मनीष पांडे (42) और कप्तान मयंक अग्रवाल (30) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर कर्नाटक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुन बी मुकाबले में तमिलनाडु को 51 गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया हैं। 91 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मनीष पांडे और मयंक अग्रवाल की सलामी जोड़ी ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी हुई। 10वें ओवर में गुरजपनीत सिंह ने मयंक अग्रवाल (30) को आउट कर तमिलनाडु को पहली सफलता दिलाई। इसी ओवर में गुरजपनीत सिंह ने मनीष पांडे (42) को भी पवेलियन भेज दिया। आर स्मरण (एक)रन बनाकर आउट हुये। कृष्णन श्रीजीत (नाबाद

नौ) और अभिनव मनोहर (दो) ने 11.3 ओवर में तीन विकेट पर 93 रन बनाकर अपनी टीम को सात विकेट से जीत दिला दी। तमिलनाडु पहले आज यहां टॉस जीतकर तमिलनाडु ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी तमिलनाडु की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने सात के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये। नारायण जगदीशन (शून्य),बाबा इन्द्रजीत (पांच), भूपति कुमार (एक) विजय शंकर (शून्य) पर आउट हुये। वरुण चक्रवर्ती (24) ने टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाये। कप्तान शाहरुख खान (19), मोहम्मद अली (15) और ऋतिक ईश?वरन (12) रन बनाकर आउट हुई। वासुकी कौशिक और मनोज भंडागे की घातक गेंदबाजी के आगे तमिलनाडु की पूरी टीम 20 ओवर में 90 रन पर ढ़ेर हो गई। कर्नाटक की ओर से वासुकी कौशिक और मनोज भंडागे ने तीन-तीन विकेट लिये। विद्याधर पाटिल को दो विकेट मिले। श्रेयस गोपाल और विजयकुमार वैशाख ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पटना पाइरेट्स ने बंगाल वारियर्स को तीन अंक से हराया

एजेंसी

नोएडा। देवांक (13) और अयान (8) के शानदार खेल की बदौलत तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेटस ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 88वें मैच में बंगाल वारियर्स को 38-35 से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। पटना को 15 मैचों में नौवीं जीत मिली है। देवांक और अयान के अलावा उसके लिए दीपक ने पांच और अंकित ने तीन अंक जुटाए जबकि बंगाल के लिए स्टार रेडर मनिंदर सिंह ने सुपर-10 लगाया। नितिन ने भी 6 अंक लिए जबकि डिफेंस से सागर ने चार अंक बनाए। बंगाल ने मनिंदर के शानदार रेड्स की बदौलत शुरुआती चार मिनट में 5-4 की लीड बना ली थी लेकिन मयूर कदम को आउट कर देवांक ने स्कोर 5-5 कर दिया और फिर अंकित ने मनिंदर को लपक पटना को 6-5 से आगे कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों को 2-2 अंक मिले और फिर फजल ने अयान का शिकार कर 8वें मिनट में स्कोर 8-8 कर दिया। देवांक ने हालांकि फजल को आउट कर अपने साथी का हिसाब बराबर किया और फिर रिवाइव होकर आए अयान ने सिद्देश को आउट कर 10वें मिनट की समाप्ति तक पटना को 11-9 से आगे कर दिया। अब बंगाल के लिए सुपर टैकल आन था लेकिन प्रणय ने दो अंक की रेड के साथ न सिर्फ इस स्थिति को टाला बल्कि स्कोर भी 11-11 कर दिया। फिर सागर ने देवांक को टैकल कर बंगाल को लीड दिला दी। हालांकि पटना ने फिर स्कोर 13-13 से बराबर कर लिया। सिद्देश ने हालांकि सुधाकर को आउट कर पटना के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। शुभम ने मनिंदर को डू ओर डाई रेड पर मनिंदर को लपक इसका फायदा उठाया और पटना को 15-14 से आगे कर दिया।

बंगाल ने इसके बाद फासला 1 का किया लेकिन देवांक ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ हाफटाइम तक पटना को 19-15 से आगे कर दिया। फिर देवांक ने हाफटाइम के बाद सुपर रेड के साथ 22-17 किया और बंगाल को आलआउट की ओर धकेल दिया। और फिर इसे अंजाम देकर 27-18 की बढ़त ले ली। आलइन के बाद पटना ने 2 के मुकाबले 3 अंक लेकर 10 अंक का फासला बनाए रखा। और फिर इसे 11 तक पहुंचाते हुए बंगाल को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। सागर ने हालांकि देवांक को सुपर टैकल कर फासला थोड़ा कम किया। फिर फजल ने देवांक का सुपर टैकल कर 30 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 25-33 कर दिया। बंगाल की टीम सुपर टैकल के दम पर मैच में बनी हुई थी। मयूर ने अयान के खिलाफ एक और सुपर टैकल के साथ स्कोर 27-34 किया और फिर विश्वास ने अकरम और दीपक को बाहर कर फासला 5 का कर दिया। पटना ने हालांकि 8 अंक की बढ़त के साथ अपनी स्थिति मजबूत की। यहां से पटना की जीत तय लग रही थी। मनिंदर और सागर ने हालांकि इसके बाद कुछ अंक लेकर फासला 3 का किया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और बंगाल अपना हार का सिलसिला नहीं तोड़ सकी और सीजन की नौवीं हार को मजबूर हुई।

जॉब पर वे बातें
जो आपको कोई नहीं बताएगा...

पढ़ाई खत्म करने के बाद जब आप किसी कंपनी में काम करने जाते हैं तो शुरू के कुछ साल आपको बिजनस एथिक्स समझने में लग जाते हैं। पर कंपनियां यह सोचती हैं कि आपको ये एथिक्स पहले से पता होना चाहिए। ये बातें आपको अपने कार्यस्थल पर कोई नहीं बताएगा, लेकिन हम आपकी मदद कर सकते हैं।

1. पहली नौकरी आपको कई अनुभव देती है। याद रखिए कि अब आप एक प्रोफेशनल बन चुके हैं और आपकी पहली नौकरी आपके करियर के लिए महत्वपूर्ण है। तो अपने कार्यस्थल पर हद से ज्यादा गपशप और देर से आना और बहाने देना अब अच्छा नहीं होगा।
2. कार्यस्थल पर फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सएप आदि सोशल नेटवर्किंग का उपयोग न के बराबर ही करें। इनका अत्यधिक उपयोग आपकी काम में अरुचि को दर्शाता है, इसलिए कई कंपनियां इन साइट्स को ब्लॉक कर देती हैं। अच्छा होगा कि बातचीत करने के लिए लंच ब्रेक का प्रयोग करें।
3. अपने सीनियर से बहस न करें। अपनी गलती मानें और उसे समझें और दोबारा न दोहराने की बात कहें, क्योंकि वे आपके बॉस हैं कई सालों से काम करते हुए उन्हें काम का खासा अनुभव है। आपका ज़रा-सा गलत रवैया बॉस की नज़रों में आपकी इमेज गिरा सकता है।
4. कार्यस्थल एक ऐसी जगह है जहां अलग-अलग प्रकार के, अलग विचारों के लोग एकसाथ काम करते हैं। कभी-कभी किसी बात पर मतभेद भी हो जाता है, तो याद रखें कि मतभेद को मनभेद में परिवर्तित ना होने दें।
5. खुलेआम अपने सहयोगी की बुराई न करें। लोगों की बुराई से ज्यादा अच्छाई देखें।
6. अपना काम हमेशा ईमानदारी से करते रहें। अगर कोई काम समझ नहीं आ रहा है तो अपने सीनियर या सहयोगियों से पूछने में हिचकें नहीं।
7. अगर आप ओवरवर्कड महसूस कर रहे हैं तो अपने सीनियर से अपनी समस्या पर बात करें।
8. कार्यस्थल पर हमेशा विनम्र बने रहें।

बेरोज़गारी का भी मज़ा लीजिए

कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद ज़रूरी नहीं है कि आपको जॉब मिल ही जाए। आपमें काबिलियत है इसमें कोई शक नहीं लेकिन कभी-कभी समय अनुकूल नहीं होता। जीवन के इस पॉइंट पर जब आपके ज्यादातर दोस्त जॉब पर लग चुके हैं और आप बेरोजगार हैं तो आपको अपने आप को अयोग्य या अनसक्सेसफुल महसूस करने की कोई जरूरत नहीं है। ऐसा तो बिलकुल नहीं है कि भविष्य में आपको जॉब नहीं मिलेगा। आप बेरोज़गार हैं तो इसका भी मज़ा लीजिए और अपने इस खाली समय का सदुपयोग करें। हम बता रहे हैं कैसे-

अपनी हॉबी को समय दें - आप अपने इस खाली समय का उपयोग अपने शौक को पूरा करने के लिए कर सकते हैं। ऐसी चीज़ें करें जो आप करना चाहते थे लेकिन पढ़ाई और दूसरे कामों के चलते आप उसके लिए समय नहीं निकाल पाए। वो डांस सीखना, सिंगिंग क्लास जाना, कोई इंसट्रुमेंट बजाना सीखने से लेकर कुछ भी हो सकता है। खुद के लिए उस समय का भरपूर उपयोग करें।

रिश्तों को नयापन दें - ये खाली समय अपने परिवार और दोस्तों को दें। ऐसे दोस्तों से मिलें जिनसे मिले आपको सालों हो गए हैं। अपनी सोशल लाइफ को ट्रैक पर लाएं और चाहें तो नए दोस्त बनाएं। इस खाली समय का आप इस तरह अच्छा उपयोग कर सकते हैं।

छुट्टियों पर निकल जाएं - अभी आप किसी के अंडर काम नहीं कर रहे हैं। आपके पास ना 9 से 5 की बंधी हुई दिनचर्या है ना बॉस की झिक-झिक है। एक बार ये सब शुरू हो गया तो आप इससे निकल नहीं पाएंगे तो मान कर चलें कि ये आपकी जिंदगी का सबसे अच्छा समय है जो आप अपने लिए खर्च कर सकते हैं जैसे आप चाहें। एक वेकेशन प्लान करें, वीडियो गेम खेलें, स्पा का मज़ा लें आदि।

डॉक्टर बनने का बेहतर प्लेटफॉर्म

एक पुरानी चीनी कहावत हैकि सबसे बेहतर डॉक्टर वह है , जो बीमारी के आने से पहले ही उसे दूर कर देता है। इसके बाद वे चिकित्सक आते हैं,जो किसी बीमारी को आने पर उसे और बढने से रोकता है। सबसे निचले स्तर पर वे आते हैं, जो बीमारी का इलाज करते हैं। आज मेडिकल के प्रोफेशन में हर कदम पर यह कहावत खुद को चरितार्थकरती है। सालों पहले जब मेडिक ल सुविधाओं का विकास इतना नहीं हुआ था, तब हम हर बीमारी को अपना प्रारब्ध या प्रकृति का न्याय माना करते थे। लोग बीमारी से लडना तो दूर रहा, उसके नाम से ही घबराया करते थे। ऐसे में अमूमन साधारण बीमारियां भी जानलेवा हुआ करती थीं। लेकिन आज ऐसा नहीं है। पिछले सौ सालों में मेडिकल सांइस में हुई तेज तरक्की ने लोगों की पुरानी धारणा को तो बदला ही है, लोगों को जीने का हौसला भी दिया है। इस हौसले को अपनी क्षमताओं और गहरे समर्पण के बूते आधुनिक धन्वंतरि और भी आसान बना रहे हैं। यदि आपमें भी दर्द झेल रही मानवता के कष्टों के बरक्स अपनी जिम्मेदारी का अहसास है तो चिकित्सक बनकर अपनी इस जिम्मेदारी को बखूबी पूरा कर सकते हैं। ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्टयानि एआईपीएमटी इस क्षेत्र में आपकी राह प्रशस्त कर सकता है।

क्यों खास है एआईपीएमटी

डॉक्टर की पृथ्वी के ईश्वर के रूप में पूजा की जाती है। लोग इस पेशे को सम्मानित नजरिए से देखते हैं। यही कारण है कि डॉक्टर बनने का स्वप्न हर युवा देखता है। अभिभावक भी चाहते हैं कि उसका बेटा चिकित्सक बनकर देश की सेवा करे और प्रसिद्धि पाए। लेकिन यह सपना उसी का पूरा हो पाता है, जो सिस्टमेटिक पढाई करता है। यदि आपने सीबीएसई द्वारा आयोजित एआईपीएमटी के माध्यम से एमबीबीएस तथा बीडीएस की पढाई करने का स्वप्न देखा है तो एआईपीएमटी में अच्छी रैंक लाकर सपने को हकीकत में बदल सकते हैं।

संस्थान चयन के फार्मूले

एआईपीएमटी में स्टूडेंट्स को रैंकिंग के आधार पर मेडिकल कॉलेज आवंटित किए जाते हैं। कभी विकल्प भी मांगे जाते हैं। यदि ऐसा अवसर मिले तो शीर्ष संस्थानों को प्रथम वरीयता दें। प्रयास करें होम स्टेट के मेडिकल कॉलेज को सर्वप्रथम वरीयता दें। यदि आप ऐसा करते हैं तो इससे भाषा या इससे संबंधित प्रांतीय समस्याएं सामने नहीं आएंगी।

बारहवीं में बायोलॉजी है अनिवार्य

अखिल भारतीय प्री-मेडिकल/प्री-डेंटल प्रवेश परीक्षा देने के लिए वही कैंडिडेट्स योग्य हैं, जिनकी उम्र 31 दिसम्बर को 17 से 25 वर्ष के बीच हो और 50 प्रतिशत अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी यानि पीसीबी के साथ 10+ 2 उत्तीर्ण हों या फिर 2012 में परीक्षा दे रहा हों।

जानिए प्रारंभिक परीक्षा का पैटर्न

एआईपीएमटी की प्रारंभिक परीक्षा में एक प्रश्नपत्र होगा जिसमें 200 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न होंगे। समयावधि तीन घंटे की होगी। परीक्षा में पूछे जाने वाले सभी प्रश्न फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी और जुलॉजी से होंगे। प्रारंभिक परीक्षा की तरह फाइनल परीक्षा में भी फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी (जुलॉजी और बॉटनी) के प्रश्न

पूछे जाएंगे। इसमें भी केवल एक प्रश्नपत्र होगा, जिसमें 120 ऑब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएंगे।

क्या है मीडियम आफ क्वैश्चन

एआईपीएमटी परीक्षा का मीडियम अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाएं होंगी। आप जिस भी भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उसके लिए फार्म भरते समय संबंधित कॉलम में टिक करना जरूरी है। आवेदन फार्म भरने के बाद भाषा बदलना संभव नहीं होगा।

तैयारी के मंत्र

कडी मेहनत के साथ यदि तैयारी में बेहतर गाइडेंस व पुख्ता रणनीति का रंग मिला दें तो यहां कामयाबी काफी कुछ सहज हो सकेगी। 12वीं के सिलेबस से क्लियर होगा फंडा एआईपीएमटी में पूछे जाने वाले प्रश्न दसवीं व बारहवीं स्टैंडर्ड के होते हैं। स्टूडेंट्स यदि दसवीं से ही इस प्रतियोगिता की तैयारी शुरू कर दे तो वे आसानी से अच्छी रैंक ला सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि वे छात्र जो अपनी बारहवीं की पढाई में संजीदा रहते हैं, उनके लिए इस परीक्षा के भंवर को पार करना थोडा आसान रहता है। ऐसे में आवश्यक है कि स्टूडेंट्स फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के बेसिक्स पर ज्यादा ध्यान दें और उससे भी पहले सिलेबस को अच्छी तरह समझ लें।

प्रैक्टिस का नहीं है अल्टरनेटिव

लगातार प्रैक्टिस इस परीक्षा में कामयाबी का मंत्र है। चूंकि इस परीक्षा का नेचर ऑब्जेक्टिव टाइप होता है, इसलिए इसकी प्रैक्टिस बहुत जरूरी है। ऐसे में जरूरी है कि कैंडिडेट्स पिछले वर्षो के प्रश्नों पर ध्यान दें। घर में ही परीक्षा जैसा महौल बनाएं। कि स चेप्टर से कितने प्रश्न पूछे गए हैं , को भी दिमाग में रखना अहम होगा। ऐसा बार-बार करने से विषय में पकड मजबूत होगी व तैयारी भी बेहतर होगी।

और भी हैं डाक्टर बनने की राह

यदि आपने मेडिकल में सुनहरे कल की इबारत लिखने का

संकल्प लिया है तो आने वाले समय में कई संभावनाएं हैं। एसोचैम रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2015 तक भारतीय दवा उद्योग करीब 20 अरब डॉलर होने की संभावना है। अनुमान है कि इस समयावधि में ही देश का दवा बाजार दुनिया के शीर्ष 10 दवा बाजारों में शामिल हो जाएगा। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के आंकडे बताते हैं कि देश के दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों में निजी अस्पताल कारोबार में बढोत्तरी के मद्देनजर इस सेक्टर के अगले तीन साल में 45 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। देश में मेडिकल प्रोफेशनल के लिए आज एआईपीएमटी के अलावा भी कई विकल्प हैं।

कौन-कौन सी प्रवेश परीक्षाएं

एआईपीएमटी के अलावा कईसंस्थान राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर मेडिकल परीक्षा आयोजित करते हैं, जिसमें आ?र्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे (एएफएमसी), बीएचयू एमबीबीएस इंट्रेंस एग्जामिनेशन , एमजीआईएमएस वर्धा एमबीबीएस प्रमुख हैं। इसके अलावा सीपीएमटी, पीएमटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं की मेरिट में आकर भी डॉक्टर बनने का सपना आबाद कर सकते हैं। भारत में मेडिकल की कई शाखाएं हैं, जिसमें कई तो बेहद परंपरागत और प्राचीन समय से चली आ रही हैं। ऐलोपैथ, आयुर्वेद (बीएएमएस), होम्योपैथ (बीएचएमएस) तथा यूनानी (बीयूएमएस) मेडिकल की कुछ ऐसी ही उपशाखाएं हैं। इन सभी में इंट्री के लिए आपको बायोग्रुप से बारहवीं होना अनिवार्य है, वहीं बीयूएमएस के लिए उर्दू का ज्ञान होना जरूरी है।

सफलता सिर्फ एक बार हासिल करने की चीज नहीं है

सफलता की विशेषताओं के बारे में जानना एवं विशेषण करना सरल है, परंतु इनको अपने व्यक्तित्व में समाहित करना एक वास्तविक चुनौती है। सफलता की विशेषताओं में सकारात्मक सोच, स्वयं पर विश्वास, साहस, लक्ष्य के प्रति समर्पण, कुशल समय प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन आदि गुण सम्मिलित होते हैं। इनसे एक सजग व्यक्ति भली-भांति परिचित होता है। हर व्यक्ति इन गुणों को स्वयं में उतारने एवं बनाए रखने का इच्छुक होता है। किंतु जब उसका वास्तविकता से सामना होता है, तो पता चलता है कि इनका अभ्यास करना कठिन है। ऐसा आकांक्षा एवं इच्छाशक्ति के बीच एक बड़ा अंतर होने की वजह से होता है। सफलता के कारकों की सूची काफी लंबी हो सकती है, यदि इनको विभिन्न शीर्षकों-उपशीर्षकों में रखा जाए, परंतु सरल बनाने के क्रम में उनको चार शीर्षकों के अंतर्गत रखना पसंद करता हूं। जिनको सफलता के पहिए की चार तीलियां कहा जा सकता है। ये हैं-मस्तिष्क, समय, ऊर्जा एवं मानवीय संबंध। ईश्वर द्वारा मनुष्य को प्रदान किए गए इन चार बेशकीमती उपहारों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन कर आप जीवन की किसी भी ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं।

सफलता की शुरुआत आप के स्वयं की पहचान के साथ होती है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता, शांति एवं प्रसन्नता हासिल करने एवं उसका अभिवर्धन हासिल करने की असीम क्षमता के साथ ईश्वर का एक अद्वितीय सृजन होता है। स्वयं की क्षमता एवं अद्वितीयता की समझ एवं पहचान एक अद्भुत अनुभव है। मैक्स लुकाडो कहते हैं-आप एक दुर्घटना नहीं हो सकते। आप थोक में पैदा नहीं हुए। आप जैसे तैसे पुर्जों को जोड़कर बनाए गए उत्पाद नहीं हैं। आप सर्वशक्तिमान स्त्रष्टा द्वारा जानबूझकर नियोजित, विशिष्ट उपहार में दिए गए तथा बड़े प्यार से इस धरती पर उतारे गए हैं। हममें से हरेक व्यक्ति का इस धरती पर आने का एक उद्देश्य होता है और हर व्यक्ति में अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कुछ अद्वितीयता होती है।

सफलता की कला वास्तव में हमारे मस्तिष्क के दक्षतापूर्ण संचालन की एक कला है। यहां, यह समझना महत्वपूर्ण है कि साक्षरता एवं शिक्षा में बहुत बड़ा अंतर होता है। एक व्यक्ति बिना साक्षर हुए भी पूर्ण रूप से शिक्षित हो सकता है। अकबर महान इसका एक सर्वोत्तम उदाहरण हैं। बहुत से संत महात्मा एवं धार्मिक गुरु निरक्षर थे, किंतु वे काफी ज्ञानी थे। दूसरी ओर, हमारे देश में या विश्व में कहीं भी साक्षर और उच्च डिग्री प्राप्त लोगों की संख्या काफी अधिक है, लेकिन उन लोगों की संख्या काफी कम होती है जो उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने तथा इस विश्व को कुछ अर्थपूर्ण योगदान दे जाने के लिए वास्तविक रूप से स्वयं को शिक्षित होने का दावा करते हैं। सच्चे अर्थ में शिक्षा का सीधा संबंध आत्मबोध से होता है। अकादमिक शिक्षा हमें साक्षर और सूचनाओं एवं ज्ञान से समृध्द बना सकती है, लेकिन उनका इस्तेमाल एवं अर्थवत्ता हमारी वास्तविक शिक्षा की शक्ति पर निर्भर करती है। गैलीलियो का कहना है कि आप व्यक्ति को कुछ भी नहीं सिखा सकते। आप उसे स्वयं के अंदर ढूंढ़ने में केवल सहायता कर सकते हैं। ईश्वर ने पहले से ही हमारे मस्तिष्क को शक्ति प्रदान कर रखी है, हमें सिर्फ इस बात की खोज करनी है कि हम अधिकतम लाभ के लिए उसका कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। एक सच्चा शिक्षक वही है, जो अपने विद्यार्थी के मस्तिष्क की मौलिकता को मारे नहीं, बल्कि उसे आत्मानुभूति करने में सहायता प्रदान करे। मैं इस संबंध में गौतम बुध्द के दर्शन में काफी विश्वास करता हूं। वे कहते हैं कि किसी भी चीज पर तब तक विश्वास मत करो, जब तक कि वह तुम्हारे अपने विवेक एवं अपनी सहज बुध्दि को स्वीकार्य न हो, चाहे जहां से तुमने उसे पढ़ा हो, या जिसने भी कहा हो, यहां तक कि मैंने भी कहा हो।

महात्मा गांधी के आह्वान पर व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन में कूदे थे स्वाधीनता सेनानी नरसिंह दास मिश्र

61वीं पुण्यतिथि पर सेनानी भवन में आयोजित किया गया श्रद्धांजलि कार्यक्रम, माह के पहले रविवार को अपने पूर्वजों को भी याद करता है सेनानी उत्तराधिकारी संगठन

बहराइच। स्थानीय सेनानी भवन सभागार में रविवार को अखिल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन जिला इकाई बहराइच एवं श्रावस्ती के तत्वावधान में अपने पूर्वजों स्वतंत्रता सेनानियों/शहीदों के सम्मान एवं उनके उत्तराधिकारियों के अस्तित्व की रक्षा हेतु पूरे देश में प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को सुबह दस बजे दस मिनट उन्हें याद कर श्रद्धांजलि/पुष्पांजलि अर्पित करने एवं राष्ट्र गीत, राष्ट्र गान का गायन करने के क्रम में अखण्ड बहराइच के स्वतंत्रता सेनानी नरसिंह दास मिश्र की 61 वीं पुण्यतिथि मनायी गई। सेनानी उत्तराधिकारियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन संरक्षक एवं पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी ने कहा कि नरसिंह दास मिश्र का जन्म 15 अगस्त 1902 को जनपद बहराइच के ब्लॉक इकौना ग्राम भुतहा में पंडित गंगाधर मिश्र के घर हुआ था। वे बाल्यकाल से ही आजादी के समर्थक थे। पूज्य बापू के आवाहन पर उन्होंने वर्ष 1941 में व्यक्तिगत सत्याग्रह आन्दोलन में भाग लिया। उनमें संगठन करने की अद्भुत क्षमता थी और एक कर्मठ उत्साही स्वतंत्रता सेनानी थे। सेनानी नरसिंह दास मिश्र के पौत्र एवं मौजूदा जिला कांग्रेस कमेटी बहराइच के अध्यक्ष इं जय प्रकाश मिश्र ने कहा कि आजादी के बाद गठित प्रथम जिला परिषद बहराइच में वे सम्मानित सदस्य थे।वे आजीवन स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके उत्तराधिकारियों के अस्तित्व की रक्षा हेतु संघर्षरत रहे तथा कांग्रेस पार्टी के प्रति समर्पित रहे। संगठन के प्रदेश कार्यवाहक महामंत्री रमेश कुमार मिश्र ने कहा कि दोआबा के बाढ़ पीड़ितों की सहायता करना सेनानी श्री मिश्र का सराहनीय कार्य था, वो जमींदार होते हुए भी सामान्य जन से घुल-मिल कर रहते थे। संगठन के विशेष आमंत्रित सदस्य भानुप्रताप द्विवेदी ने कहा कि आजादी के आंदोलन में जिले के कांग्रेस त्रयी (पंडित भगवान दीन मिश्र वैद्य, ठाकुर हुकुम सिंह एवं सरदार जोगेंद्र सिंह) के कंधे से कंधा मिलाकर वो संघर्ष करते रहे और ब्रिटिश सरकार की आंखों की किरकिरी बने रहे। अपने बाबा नरसिंह दास मिश्र के पदचिन्हों पर चलते हुए उनके पौत्र इं जय प्रकाश मिश्र सामाजिक कार्यों और सद्भावना के लिए पूरे जनपद में अलख जगा रहे हैं।अन्त में सेनानी उत्तराधिकारियों ने उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कार्यक्रम समाप्त किया। कार्यक्रम में बाबूलाल वर्मा, गौतम अग्रवाल, फूलमती देवी, सिद्धार्थ वर्मा, आदित्य भान सिंह, मुकेश श्रीवास्तव, जाहिर अली, अब्दुल रहमान, दोस्त मोहम्मद, तुलसी राम मौर्य, यदुनाथ प्रसाद यादव सहित तमाम सेनानी उत्तराधिकारी मौजूद रहे।

चौकी इंचार्ज ठेकमा सौरभ त्रिपाठी पर पीड़ित पक्ष ने रिश्वत न देने पर जेल भेजनें का लगाया आरोप

ठेकमा, आजमगढ़ /युपी पुलिस आजकल एक न विवादित कारणों से हर रोज सुर्खियों में छाई हुई है, ताजा प्रकरण जिला आजमगढ़ के अंतर्गत आने वाले थाना बरदह के चौकी इंचार्ज ठेकमा के सौरभ त्रिपाठी पर गाँव महुवारी महुवारी निवासी अच्छेलाल के द्वारा रिश्वत मांगने का संगीन आरोप लगाया गया है, इतना ही नहीं पीड़ित अच्छेलाल ने इस बाबत डीआईजी आजमगढ़ को भी चौकी इंचार्ज के खिलाफ शिकायत की है !दरअसल मामला इस प्रकार है कि बीते गाँव मोहम्मद पुर फेटी निवासी ज्योति काल्पनिक नाम की लड़की पुलिस चौकी रानी की सराय में बदहवास अवस्था में मिली थी। दूसरे दिन चौकी ठेकमा लड़की के परिवार वालों ने अज्ञात चार लड़को के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई थी।पुलिस ने महुवारी गाँव के तीन लड़को को इस संबंध में पूछताछ के लिए बुलाया था,जिसमें अच्छेलाल का पुत्र नीरज सहित तीन लडके धर्मेंद्र और बिपिन को बुलाया था, जिसके बाद पीड़ित अच्छेलाल ने आरोप लगाया की दो लड़को धर्मेंद्र और बिपिन को छः हजार रिश्वत लेकर छोड़ दिया गया बाकी नीरज के पिता से पचास हजार की मांग की जिसकी मांग नहीं पूरी नहीं मानने पर आरोपी नीरज को चालान कर दिया गया। इस बारें में पीड़ित अच्छेलाल ने डीआईजी आजमगढ़ को चौकी इंचार्ज के खिलाफ रिश्वत मँगने का आरोप लगाया गया था, जिसकी जाँच चल रही है।

चौकी इंचार्ज सौरभ त्रिपाठी ठेकमा पर लड़की छेड़छाड़ मामले पचास हजार रुपए रिश्वत माँगने लगाया संगीन, डीआईजी ने दिये जाँच के आदेश

51 बटुक और घोड़े के अगुवानी के साथ शुरू हुआ रन फॉर राम

वाराणसी :- क्रीड़ा भारती वाराणसी इकाई द्वारा एक दिसंबर रविवार को प्रातः 6:30 बजे 51 बटुक के स्वस्ति वचन मंत्रोच्चार और चन्दौली से आये घोड़े की अगुवानी से शुरू हुआ रन फॉर राम (अयोध्या के बाद काशी में) लगभग 2000 महिला व पुरुष प्रतिभागियों को रेस के ब्रांड एंबेसडर ओलंपियन ललित उपाध्याय, क्रीड़ा भारती उड़्ड प्रड्ड के पूर्वी क्षेत्र संयोजक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रजत आदित्य दीक्षित,बिहार के प्रदेश अध्यक्ष राजेश्वर जी,काशी प्रान्त अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव,आयोजन अध्यक्ष राहुल सिंह,उड़्ड प्रड्ड सरकार ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ सुनील विश्वकर्मा ने हरी झंडी दिखाकर पांच किलोमीटर रेस शुरू कराई इस दौड़ कार्यक्रम में प्रदेश से लेकर जिले के सभी गणमान्य अतिथि की उपस्थिति रही रेस में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ीयो के साथ-साथ बटुक, एनडीआरएफ के जवान,97 साल के वृद्ध ,प्राइमरी,माध्यमिक,सीबीएसई, आईसीएसई सहित सभी शिक्षण संस्थान और धार्मिक, राजनैतिक,अभियंता, डॉक्टर की उपस्थिति रही रेस में आये सभी अतिथिगण का स्वागत जिला अध्यक्ष पवन सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन जिला मंत्री आनन्द पाठक ने किया ` रेस का संचालन दिनेश जायसवाल और कार्यक्रम का संचालन महानगर उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने किया सम्पूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने के राहुल सिन्हा विभाग प्रमुख,विभोर भृगुवंशी उपाध्यक्ष,दिलीप सिंह प्रचार प्रमुख,गौरव श्रीवास्तव प्रान्त युवा प्रमुख,नीतीश सिंह सह मंत्री,निर्मल जी,शिवेन्द्र तिवारी,नीलू मिश्रा,स्वधा द्विवेदी,इंदु सिंह,अंतरा उपाध्यय,प्रिया मिश्रा,नीलीमा मिश्रा सहित कई लोगो ने अपनी सहभागिता निभाई

परिवार परामर्श केंद्र ने एक परिवार को टूटने से बचाया

एसपी वृंदा शुक्ला का सामाजिक रिश्तों को बचाने की मुहिम रंग लाई

बहराइच। पुलिस अधीक्षक वृन्दा शुक्ला के निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को बचाने के लिए किये जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस लाइन बहराइच प्रेक्षागृह में आपसी परिवारिक विवाद को समाप्त कराकर एक परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया है।

रविवार को आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी उप निरीक्षक रमाशंकर मिश्र, कुशल काउंसलर्स फहीम किदवई, डीपी सिंह व अनुराधा श्रीवास्तव, धनंजय सिंह, रंजना उपाध्याय सिंह, हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश यादव, महिला कांस्टेबल सविता मिश्रा द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क कर-के उन्हें पुलिस लाइन बहराइच प्रेक्षागृह बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दम्पत्ति जोड़ों को एक-दूसरे के साथ आपस में सामन्जस्य स्थापित कर, परिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

आरटीआई की सूचना 30 दिवस के अन्दर देना अनिवार्य : डॉ. अग्निहोत्री

बहराइच। राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 30 दिवस की लक्ष्मण रेखा का सम्मान करते हुए 30 दिवस के अन्दर अनिवार्य रूप से सम्बन्धित को सूचना अवश्य उपलब्ध करा दें। डॉ. अग्निहोत्री ने यह निर्देश लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों, तहसीलदार व जिला विद्यालय निरीक्षक के जनसूचना अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान दिया। उन्होंने कहा कि जन सूचना अधिकार अधिनियम-2005 के अन्तर्गत प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों में से यदि किसी प्रार्थना-पत्र के सम्बन्ध में आप द्वारा सूचना नहीं दी जा रही है तो आवेदन कर्ता को 30 दिवस के अन्दर सूचना न देने के कारणों से अवश्य अवगत कराया जाय। राज्य सूचना आयुक्त ने सभी सम्बन्धित से कहा कि किसी भी परिस्थिति में 30 दिन की लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन होने पर सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।राज्य सूचना आयुक्त डॉ. अग्निहोत्री ने कहा कि अधिनियम के माध्यम से नागरिकों को सूचना का अधिकार दिया गया है। इस प्रक्रिया के ऑनलाइन क्रियान्वयन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिसके उत्साहजनक परिणाम दिखाई देने लगे हैं उन्होंने कहा कि जन सूचना अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को ऑनलाइन आवेदन और सूचना प्रदान करने में अपने दायित्व का निर्वाह करना चाहिए।

युवक ने सल्फास खाकर की जान देने की कोशिश

बहराइच। नशे में धुत एक युवक ने सल्फास खाकर जान देने की कोशिश की। घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार थाना हरदी अंतर्गत ग्राम हरदी गौरा निवासी दिनेश कुमार (38) पुत्र आनंद नारायण ने रविवार सुबह नशे की हालत में सल्फास खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। घटना की जानकारी जब परिजनों को हुई तो उन्होंने उसे लाकर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज बहराइच में भर्ती कराया। घटना के सम्बन्ध में युवक के भाई जयदीप कुमार ने बताया कि शनिवार की रात वह पति- पत्नी एक शादी समारोह में गये थे और घर पर भाई दिनेश और और उसकी मां थी। रविवार सुबह जब घटना की जानकारी हुई तो उसने भाई को लाकर मेडिकल कॉलेज बहराइच में भर्ती कराया।

यातायात माह में सराहनीय कार्य के लिए डीएम एसपी ने किया पुरस्कृत

जौनपुर

जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र व पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा के द्वारा ह्लयातायात माह नवम्बर 2024ह्व जागरुकता माह का समापन, विद्यालयों के बच्चों, व यातायात माह में सराहनीय कार्य करने वाले अधि0/कर्मचारीगण को पुरस्कार वितरण के साथ किया गया। यातायात माह का समापन कार्यक्रम होली चाईल्ड एकेडमी जौनपुर में मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्य, समाजसेवी ज्ञानप्रकाश सिंह, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा सहित अन्य की उपस्थिति में दीप प्रज्जलवन कर किया गया।

तत्पश्चात पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के अवसर पर यातायात माह में प्रचार-प्रसार में सराहनीय कार्य व योगदान करने वाले स्कूलों के प्राधानाचार्य व उन स्कूलों के छात्र-छात्राओं, व एन.सी.सी के स्काउट कैडेट, को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित करते हुए उत्साहवर्धन किया गया, जिसमें हरिहर पब्लिक स्कूल, कुल्हनामऊ, हरिहर इण्टरनेशनल स्कूल, उमरपुर, महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज रामदयालगंज, जनक कुमारी इण्टर कालेज, हुसैनाबाद, मो0 हसन इ0कालेज, राष्ट्रीय पब्लिक इण्टर कालेज हुसेपुर कबूलपुर, माउण्ट लिट्रा जी स्कूल रामदयालगंज, द-सनराइज पब्लिक स्कूल भकुरा, तिलकधारी सिंह इ0कालेज, शकुन्तला सेण्टर एकेडमी अम्बेडकर तिराहा, मां दुर्गा सीनियर सेकेंडरी विद्यालय सिद्धिकपुर, श्रीमती गुलाबी देवी इण्टर कालेज, कन्हइपुर, नेहरु बालोध्यान, कन्हईपुर, रजा सिया इण्टर कालेज, सनराइज इण्टरनेशनल स्कूल राजापुर मड़ियाहू, राजा श्री कृष्णदत्त इ0कालेज, डॉ0 राममनोहर लोहिया सीनियर सेकेडरी स्कूल कलिचाबाद, लायल वंडर स्कूल मछलीशहर, होली चाइल्ड एकेडमी, जनक कुमारी इण्टर कालेज, हुसैनाबाद, बलराम यादव जनसेवा इ0कालेज कलीचाबाद, राष्ट्रीय पब्लिक इ0कालेज हुसेपुर, आर0एन टैगोर सीनियर सेकेडरी स्कूल, एन0सी0सी0 98 बटालियन, विद्यालय/शिक्षण संसथान के प्रधानाचार्य व 700 बच्चें शामिल थे। साथ ही साथ यातायात माह 2024 के दौरान सराहनीय योगदान के लिये यातायात व थाने से अधि0/कर्मचारीगण को भी पुरस्कृत किया गया।

यातायात माह 2024 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु पुरे माह जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद जौनपुर के थानों एवं यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का प्रचार प्रसार करते हुए आम जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए पंपलेट, हैंडबिल व स्टिकर वितरित किए गए एवं सार्वजनिक स्थानों पर होर्डिंग तथा बैनर लगवाए गए, शीत ऋतु में कोहरे में दृश्यता के अभाव होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के निर्मूलन हेतु मालवाहक वाहनों, ट्रैक्टर ट्रालियों में निशुल्क रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाए गए तथा राजमार्गों पर सड़क के किनारे वाहन खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने वाले वाहनों को राजमार्ग के किनारो से हटवाया गया, न मानने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत प्रवर्तन की कार्यवाही भी की गई,

इसके अतिरिक्त जौनपुर शहर में बाजार तथा सार्वजनिक मार्गों स्कूलों एवं सड़कों के किनारे वाहन खड़ा करके जाम का कारण बनने वाले वाहनों को हटवाया गया, चेतावनी दी गई साथ ही उनके विरुद्ध प्रवर्तन की कार्रवाई भी की गई, तथा यातायात नियमों अनुपालन न करने वालों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्रवाई की गयी।

राष्ट्रीय हिन्दू स्वयंसेवक संघ का स्थापना दिवस पर आज हिन्दू राष्ट्र का होगा उद्घोष एवं मंचीय कार्यक्रम

जनादेश टुडे

प्रयागराज। राष्ट्रीय हिन्दू स्वयंसेवक संघ की स्थापना दिवस के अवसर पर ध्वज पूजन, प्रभातफेरी, व उद्घोष हिन्दू राष्ट्र का, मंचीय कार्यक्रम, भजन संध्या एवं रात्रि भोज का कार्यक्रम रामलीला मैदान माधवापुर सब्जी मण्डी, बैरहना, प्रयागराज में हों सुनिश्चित है। इस अवसर पर न्यायपूर्ति डॉ0 शेखर कुमारजी, मुख्य अतिथि धनंजय सिंह पूर्व सांसद, मुख्य वक्ता गौरव खट्टर, डॉ महिमा तिवारी उपस्थित रहेंगे। उत्तर जानकारी आशीष पाण्डेय ने दी।

प्रशासन की ओर से अग्नि पीड़ितों को बांटी गई खाद्य एवं अन्य सामग्री

भांवरकोल/ गाजीपुर। प्रशासन की ओर से अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दिनेश कुमार के नेतृत्व में रविवार को शेरपुर की नई बस्ती में अगलगी की घटना से प्रभावित 14 परिवारों में प्रति परिवार दो कंबल, एक दरी तथा खाद्य सामग्री के रूप में चावल, चना, दाल, सरसों तेल ,आलू, बिस्किट ,गुड़ तथा लाई आदि सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर एडीएम दिनेश कुमार ने प्रभावित परिवारों को सरकारी आवास और शौचालय उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश देने के साथ ही बस्ती में साफ सफाई का निर्देश एडीओ पंचायत सूर्यभानु कुमार राय को दिया। इसके पूर्व शनिवार को भी आग लगी के तत्काल बाद पहुंचे उप जिलाधिकारी मनोज कुमार पाठक के निर्देश पर भी आग से प्रभावित परिवारों को खाद्यान्न व कम्बल तथा तिरपाल का वितरण कराया गया था। गौरतलब है कि गंगा कटान से प्रभावित सेमरा के कुछ विस्थापितों को शासन द्वारा शेरपुर कला के पूरब जमीन में उपलब्ध कराकर बसाया गया है इसी नई बस्ती में शनिवार को सुबह आग लगने से उसमें जलकर प्रहलाद की पत्नी रमावती की मौत हो गई थी। इसके अलावा लगभग 14 परिवारों की एक दर्जन से अधिक झोपड़ियां उनमें रखा हुआ सामान जलकर नष्ट हो गया था। इसी बस्ती में अगलगी प्रभावित परिवारों को प्रशासन की ओर से गई ।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दिनेश कुमार एवं उप जिलाधिकारी मनोज कुमार पाठक के अलावा तहसीलदार रामजी राम, मुन्ना, आनंद राय पहलवान ,सोनू राय सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

अन्तर महाविद्यालयीय एथलेटिक्स पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता सम्पन्न

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

उपसंपादक: राकेश द्विवेदी

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुक्वी ,

सहायक संपादक: रिजवान सैफ खान,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

गाजीपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम में अन्तर महाविद्यालयीय एथलेटिक पुरूष / महिला प्रतियोगिता 2024-2025 का समापन हुआ। प्रतियोगिता के समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफे० (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय अध्यक्ष, खेलकूद परिषद ने पुरस्कार वितरण एवं ट्राफी प्रदान कर की। इस अवसर पर प्रोफे० (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने कहा कि एथलेटिक खेल एक पुरानी खेल विधा है जो विश्व में सबसे अधिक लोकप्रिय है। खेल बच्चों के बौद्धिक एवं मानसिक विकास का माध्यम होता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मष्तिष्क का वास होता है।प्रोफेसर पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश एवं केन्द्र सरकार द्वारा खेल को बढ़ावा देने के की तरह के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिससे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बन सकेगा। भारत विश्व का युवा देश है और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की सम्भावना प्रबल है। उन्होंने सभी विजेता के आधार पर महिला वर्ग में स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर विजेता, पं० स्मारक पी० जी० कालेज गाजीपुर तृतीय स्थान पर रही।

पाक्सो एक्ट के दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भांवरकोल /गाजीपुर । स्थानी पुलिस ने मलिकपुरा चट्टी से रविवार को सुबह पाक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के आरोपित मलिकपुरा निवासी सूरज कुमार उर्फ रवि पासी तथा विमलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया थानाध्यक्ष विवेक कुमार तिवारी ने बताया गिरफ्तार किए गए युवकों के विरुद्ध 30 नवंबर 2024 को पीड़िता के पिता ने तहरीर देकर अपनी पुत्री के साथ छेड़छाड़ करने कपड़े फाड़ने व अश्लील हरकत करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169 । इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी